कोटद्वार, शनिवार
9 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 19 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में रास्ता साफ विजय बनाएंगे सरकार

वीसीके,सीपीएम,सीपीआई ने किया टीवीके-कांग्रेस गठबंधन का समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में किसकी सरकार बनने जा रही है। इस सवाल का जवाब मिल गया। अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की पार्टी टीवीके को सरकार गठन के लिए अहम समर्थन मिल गया है। कांग्रेस के समर्थक के बाद अब वीसीके, सीपीएम और सीपीआई जैसे दलों ने भी उन्हें समर्थन देने का फैसला किया है। इससे राज्य में नई सरकार बनने का रास्ता लगभग साफ माना जा रहा है। 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी आंकड़े के करीब पहुंच चुके टीवीके गठबंधन ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। विपक्षी दलों के समर्थन के बाद विजय पहली बार सत्ता के बेहद करीब पहुंच गए हैं और उन्होंने सरकार गठन का दावा पेश कर दिया है।

पास किया 118 का जादुई आंकड़ा

बता दें कि तमिलनाडु में अब टीवीके चीफ थलपति विजय की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। 2-2 विधायकों वाले वीसीके, सीपीएम, सीपीआई ने कांग्रेस-टीवीके गठबंधन को समर्थन देने का फैसला किया है। साथ ही बीजेपी ने भी मतदान से दूर रहने के संकेत दिए हैं। इसके बाद विजय के लिए बहुमत हासिल करने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। राज्यपाल ने उन्हें 10 मई तक का समय दिया था।

जाति तब खत्म होगी जब समाज बदलेगा

● आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने दिया बड़ा बयान ● कहा-जनसंख्या नियंत्रण के लिए लोगों का सहयोग जरूरी

मैसूरु (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण नीति और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे कानून लोगों के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जाति आधारित राजनीति तभी खत्म होगी, जब समाज जाति के आधार पर सोचना बंद करेगा। भागवत गुरुवार को कर्नाटक के मैसूरु में महाविद्यापीठ में सोशल हार्मनी ऐज ए कैटलिस्ट फॉर नेशनल डेवलपमेंट विषय पर लेक्चर के बाद इंटरेक्टिव सेशन में लोगों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने समानता को नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार में अपनाने की अपील की।

आरएसएस सरकार नहीं, बल्कि यह मात्र सामाजिक संगठन है

जनसंख्या नियंत्रण और यूसीसी पर सवाल के जवाब में भागवत ने कहा कि संघ सरकार नहीं, बल्कि सामाजिक संगठन है। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून को सफल बनाने के लिए लोगों को शिक्षित करना और उनकी भागीदारी जरूरी है। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान जनसंख्या नियंत्रण उपायों का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय जबरन नसबंदी कराई गई, जिससे लोगों में गुस्सा हुआ और बाद में सरकार को हार का सामना करना पड़ा। भागवत ने कहा कि जनसंख्या नीति बनाते समय जनसांख्यिकीय संतुलन जरूरी है।

लोकतंत्र में फैसले धीरे-धीरे होते हैं

उन्होंने कहा, राज्य-दर-राज्य यह आगे बढ़ रहा है। शायद एक दिन पूरे देश में लागू हो जाए। लोकतंत्र में फैसले धीरे-धीरे होते हैं, क्योंकि एक व्यक्ति नहीं, बल्कि 142 करोड़ लोग मिलकर फैसला करते हैं। जाति व्यवस्था पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि पहले समाज बदलेगा, तभी राजनीति बदलेगी। उन्होंने लोगों से कहा कि केवल जाति भूलने की बात न करें, बल्कि ऐसा व्यवहार करें जैसे जाति है ही नहीं। उन्होंने अंतरजातीय संबंध और विवाह को बढ़ावा देने की बात कही और 1942 में महाराष्ट्र में हुए एक अंतरजातीय विवाह का उदाहरण दिया, जिसे बीआर आंबेडकर और एमएस गोलवलकर ने आशीर्वाद दिया था।

धर्म बनाकर आपस में झगड़ा करना ठीक नहीं

भागवत ने कहा कि धार्मिक सद्भाव पर उन्होंने कहा कि सभी धर्म अंततः सत्य की ओर ले जाते हैं, भले ही उनके तरीके अलग हों। उन्होंने कहा कि अलग-अलग रास्ते आखिरकार एक ही मंजिल तक पहुंचते हैं, जैसे नदियां समुद्र में मिलती हैं। धर्म बनाकर आपस में झगड़ा करना ठीक नहीं है। धर्मों को समझना चाहिए कि मंजिल एक है और मानवता के लिए सहयोग और समन्वय जरूरी है। आचरण में धर्म होना चाहिए। संयम, अनुशासन और नैतिकता धर्म का आधार हैं। भारत बार-बार अपनी आजादी इसलिए खोता रहा, क्योंकि समाज में विभाजन थे। देश के विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए एकता और भाईचारा जरूरी है। भारतीय समाज की अवधारणा पश्चिम से अलग है। यहां समाज भावनात्मक जुड़ाव और साझा उद्देश्य से बनता है, जबकि पश्चिम में यह आपसी लाभ और समझौते पर आधारित होता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का हवाला देते हुए कहा कि हर देश का एक संदेश, मिशन और लक्ष्य होता है। भारत की राष्ट्र की अवधारणा जमीन और लोगों के बीच गहरे संबंध पर आधारित है।

एक देश ने आबादी से 8 गुना ज्यादा जमा कर ली वैक्सीन

● जयशंकर का भारतीयों से भरे देश से इशारों में अमेरिका पर बड़ा तंज

एक देश ने जमा रखी थी आठ गुना ज्यादा वैक्सीन

सूरीनाम के समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए भारतीय विदेश मंत्री ने भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी का जिक्र करते हुए एक विकसित देश पर पर तंज कसा। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने वैक्सीन वितरण में भारी असमानता की तरफ इशारा किया।

पारामारिबो (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सुरीनाम में कहा है कि आज दुनिया संसाधनों का इस्तेमाल हथियार की तरह कर रही है। तेजी से बदलते वैश्विक व्यवस्था के बारे में आगाह करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दुनिया वित्त, संसाधनों, तकनीक और कनेक्टिविटी के अभूतपूर्व हथियारीकरण को देख रही है। क्योंकि देश अपने रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मेहनत कर रहा।

नई कैबिनेट बनते ही बिहार में बवाल

● पटना में टीआरई-4 अभ्यर्थियों पर हुआ लाठीचार्ज ● परीक्षा नियमावली में बदलाव के विरोध में प्रदर्शन

पटना (एजेंसी)। बिहार में बीपीएससी टीआरई-4 शिक्षक भर्ती के विज्ञापन का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के सब्र का बांध शुक्रवार को टूट गया। इसके बाद पटना के जेपी गोलंबर पर पुलिस की लाठी से उनका सामना हुआ। पुलिस ने लाठीचार्ज कर अभ्यर्थियों को खदेड़ दिया। नई कैबिनेट के शपथ लेने के 24 घंटे बाद ही टीआरई-4 के अभ्यर्थी सड़क पर उतर गए। पटना कॉलेज परिसर में हजारों की संख्या में जुटे अभ्यर्थियों ने राज्य सरकार और बीपीएससी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध मार्च निकाला। छात्रों का मुख्य आरोप है कि आयोग ने अप्रैल के मध्य में विज्ञापन जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन मई बीतने को है और अब तक कोई आधिकारिक अधिसूचना नहीं आई है। ये प्रदर्शन बाकरगंज और मछुआ टोली होते हुए आगे बढ़ा। स्थिति को देखते हुए पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा खुद मुस्तैद दिखे। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का भी इंतजाम दिखा।

टीआरई-4 के विज्ञापन में देरी से छात्र नाराज

अभ्यर्थियों का कहना है कि बीपीएससी परीक्षा नियंत्रक ने 16 अप्रैल को एक पॉडकास्ट के माध्यम से तीन-चार दिनों के भीतर विज्ञापन जारी करने का दावा किया था। आज 8 मई बीत जाने के बाद भी पोर्टल पर कोई अपडेट नहीं है। लगभग 46,595 पदों पर होने वाली इस बहाली को लेकर छात्रों ने सरकार पर धोखेबाजी का आरोप लगाया है। हालांकि, बिहार के नव नियुक्त शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि टीआरई-4 की वैकेंसी बिल्कुल नहीं फंसेगी, उसे लेकर बैठक चल रही है। जल्द ही फैसला लिया जाएगा। लाठीचार्ज के बाद भी बेरोजगार युवक और युवतियों की भीड़ डटी है। एसडीएम रितिका मिश्रा और सिटी मजिस्ट्रेट आदित्य श्रीवास्तव कह रहे हैं कि एक प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के लिए आगे आए। लेकिन आंदोलनकारियों का कहना है कि बिना छात्र नेता दिलीप कुमार के बात नहीं हो सकती। दिलीप कुमार पुलिस के कब्जे में हैं, जिस वजह से गतिरोध और तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

विजय से 'दोस्ती' पर डीएमके ने तोड़ा कांग्रेस से गठबंधन

● लोकसभा में अलग बैठेंगे सांसद, कानिमोझी ने लिखा पत्र

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस द्वारा विजय की अगुवाई वाली टीवीके का समर्थन करने पर डीएमके ने गद्दारी करने का आरोप लगाया था। पार्टी ने कहा था कि कांग्रेस ने पीठ में छुरा घोंपा। एक्टर विजय को समर्थन देने के मुद्दे पर अब डीएमके और कांग्रेस के बीच तल्खी और बढ़ गई है। यह तल्खी अब चेन्नई से दिल्ली पहुंच गई है। डीएमके की सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा है

कि मैं लोकसभा में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसदों के बैठने की व्यवस्था में सही बदलाव करने का अनुरोध करती हूं। बदले हुए राजनीतिक हालात को देखते हुए और क्योंकि इंडियन नेशनल कांग्रेस के साथ हमारा गठबंधन खत्म हो गया है, इसलिए हमारे सदस्यों के लिए सदन में उनके साथ मौजूदा बैठने की व्यवस्था में बने रहना सही नहीं होगा। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। एक्टर थलपति विजय की अगुवाई वाली टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी हैं। टीवीके को 108 सीटें मिली हैं, जबकि डीएमके को 59 और एआईएडीएमके को 47।

इंडिया गठबंधन में बड़ी घटक थी डीएमके

डीएमके के इंडिया गठबंधन से बाहर जाने पर विपक्षी एकता कमजोर हो गई है। कनिमोझी द्वारा लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखने के बा अब कांग्रेस और डीएमके में दरार साफ हो गई है। पहले कनिमोझी ने कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस के साथ रहेगी लेकिन चेन्नई में डीएमके और एआईएडीएमके के साथ आने की चर्चाओं के बीच यह बड़ा डेवलपमेंट सामने आया है। डीएमके के लोकसभा में 22 सांसद हैं, राज्यसभा में उसके सदस्यों की संख्या 10 है।

केसी वेणुगोपाल का केरल सीएम बनना तय!

● राहुल गांधी के हैं खास,एआईसीसी पर्यवेक्षकों को दी अपनी राय

तिरुवनन्तपुरम (एजेंसी)। केरल का मुख्यमंत्री कौन होगा। इस सवाल का जवाब अभी तक कांग्रेस नहीं दे पाई है। हालांकि सूत्रों की मानें तो केसी वेणुगोपाल ही केरल के अगले सीएम होंगे। वेणुगोपाल अभी अलाप्पुझा से सांसद हैं और अभी कांग्रेस के महासचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। अपनी संगठनात्मक काबिलियत के लिए मशहूर वेणुगोपाल ने हाल के सालों में पार्टी के ढांचे को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्हें राहुल गांधी का करीबी भी माना जाता है, जिसका असर आखिरी फैसले पर पड़ सकता है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि उनका अनुभव उन्हें सबसे बड़े पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है।

63 में से 47 विधायक केसी वेणुगोपाल के साथ

पार्टी सूत्रों के अनुसार,एसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे निकलते दिखाई दे रहे हैं। गुरुवार को एसीसी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ हुई बैठकों में कांग्रेस के 63 निर्वाचित विधायकों में से 47 ने वेणुगोपाल के नाम का समर्थन किया। इनमें केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सन्नी जोसेफ भी शामिल हैं।

जिस जहाज पर हंतावायरस फैला, उस पर 2 भारतीय

● अब तक 3 की मौत,डॉक्टर बोले-यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता

प्राया (एजेंसी)। अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल है। यह वही शिप हैं, जिस पर हंतावायरस फैला है। एजेंसी के मुताबिक अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और 3 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है। उन्होंने बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनरी आईलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी।

मरीजों को आइसोलेशन में रखा जा रहा

डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को अलग आइसोलेशन रूम में रखा जाता है। ट्रेंड स्टाफ उनकी देखभाल करता है। मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है। हंतावायरस से संक्रमित लोगों को 40 दिनों के लिए क्वारंटाइन में रखा गया है।

ट्रम्प की टैरिफ पॉलिसी को अमेरिकी कोर्ट ने बताया अवैध

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के एक फेडरल ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लगाए गए 10 फीसदी ग्लोबल टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को 2-1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि यह टैरिफ 1974 के व्यापार कानून के तहत सही नहीं थे। प्रशासन के पास कांग्रेस की अनुमति के बिना इतने बड़े पैमाने पर आयात शुल्क (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाने का अधिकार नहीं है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने अपने फैसले में कहा कि इसी साल की शुरुआत में लगाए गए ये टैरिफ कानून अमान्य हैं। ट्रम्प ने फरवरी में एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के जरिए इन ग्लोबल टैरिफ को लागू करने की घोषणा की थी।

शुभेंदु होंगे वेस्ट बंगाल के नए सीएम

● चुने गए बीजेपी विधायक दल के नेता ● आज लेंगे बंगाल के सीएम पद की शपथ

कोलकाता (एजेंसी)। बीजेपी नेता शुभेन्दु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे। शुक्रवार को कोलकाता में बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओडिशा के सीएम मोहन माझी को मौजूदगी में उनके नाम का ऐलान किया है। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर से जीते हैं। उन्होंने भवानीपुर में ममता बनर्जी को हराया है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शुभेन्दु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसे विधायकों ने मान लिया।

तीन दशक बाद संभालेंगे सीएम का पद

शुभेन्दु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर, 1970 को हुआ था। शुभेन्द अधिकारी के पिता शिशिर अधिकारी पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। शुभेन्दु अधिकारी को राजनीति विरासत में मिली है। उन्होंने पंचयत से लेकर पार्लियामेंट तक सफर तय किया। वह 2005 में पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद 2009 और फिर 2014 में तामलुक से लोकसभा के सदस्य चुने गए। नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में उनकी भूमिका ने उन्हें बंगाल की राजनीति में मेदिनीपुर का बादशाह बना दिया। दिसंबर 2020 में वह तृणमूल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए। 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से हराकर सबको चौंका दिया। इसके बाद वह मई 2021 से 2026 तक वे पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे। अब वह पश्चिम बंगाल में शीर्ष पद को संभालेंगे।

मुख्यमंत्री ने वल्दिया स्टेडियम पहुंचकर उच्चीकृत क्रिकेट मैदान का लोकार्पण किया

– खिलाड़ियों के साथ खेल मैदान में उतरे मुख्यमंत्री, क्रिकेट और फुटबॉल खेलकर बढ़ाया युवाओं का उत्साह

पिथौरागढ़। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज अपने पिथौरागढ़ जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सुरेन्द्र सिंह वल्दिया स्टेडियम पहुंचकर उच्चीकृत क्रिकेट मैदान का लोकार्पण किया तथा क्रिकेट मैदान को जनपदवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने क्रिकेट पिच पर स्वयं बल्लेबाजी करते हुए छह गेंदों का ओवर खेलकर पिच का औपचारिक उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री का खिलाड़ियों के साथ खेल मैदान में उत्साहपूर्ण और आत्मीय अंदाज देखने को मिला। इसके उपरांत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वहां उपस्थित खिलाड़ियों एवं युवाओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल, हॉकी एवं अन्य खेल गतिविधियों में भी सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम भी हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित समस्त युवाओं को नशे के खिलाफ शपथ भी दिलाई तथा उन्हें नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ राज्य में चल रहे अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली एवं सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री ने समस्त खिलाड़ियों को आशीर्वाद प्रदान किया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 9 खिलाड़ियों का सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेलों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और उत्तराखंड को खेल के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य के युवाओं में अपार प्रतिभा एवं क्षमता है। खेल महाकुंभ जैसे आयोजनों से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की प्रतिभाओं को अपनी कुशलता प्रदर्शित करने का बेहतरीन मंच प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई खेल नीति के माध्यम से राज्य के उदीयमान खिलाड़ियों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है, ताकि वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल पहुंच मरीजों का जाना हालचाल

पिथौरागढ़। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिथौरागढ़ भ्रमण कार्यक्रम के समापन उपरांत पिथौरागढ़ के जिला अस्पताल बी डी पाण्डेय पहुंचकर इमरजेंसी एवं चिल्ड्रन वार्ड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर मरीजों का हालचाल जाना तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को मरीजों को बेहतर उपचार एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और किसी भी मरीज को उपचार के अभाव में परेशानी नहीं होने दिया जाएगा । मुख्यमंत्री धामी ने मरीजों के परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि यदि किसी भी प्रकार की समस्या या दिक्कत आती है तो वे अपनी बात जिलाधिकारी आशीष भटगाईं के माध्यम से सीधे उन तक पहुंचा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

खर्क के ग्रामीणों ने बीमार महिलाओं को कुर्सी के सहारे पहुंचाया सड़क तक

नई टिहरी। नैनबाग तहसील का ग्राम पंचायत सुरासू के खर्क गांव में सड़क सुविधा न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। गांव में एक बुजुर्ग महिला की तबीयत खराब होने पर ग्रामीणों ने महिला को सड़क तक पहुंचाने के लिए 2 किलोमीटर पैदल चलकर कुर्सी के सहारे महिला को सड़क तक पहुंचाया। ग्रामीण सुरेश रावत, सरदार सिंह रावत, सुशील खर्ककाई ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनके गांव की केदारी देवी (78) की तबीयत अचानक खराब हो गई। गांव में सड़क की सुविधा न होने से ग्रामीणों ने महिला को कुर्सी पर बिठाकर सड़क तक पहुंचाना पड़ा। जिसके बाद महिला को निजी वाहन से नैनबाग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। डॉक्टरों के महिला को प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया गांव में किसी के बीमार होने और गर्भवती महिलाओं को ग्रामीणों की मद्द से कुर्सी के सहारे सड़क तक पहुंचाना पहुंचाना पड़ता है। बताया वर्ष 2016 में नैनबाग के सुमन क्यारी से सुरासू और खर्क के लिए 12 किलोमीटर सड़क की स्वीकृत हुई थी। वर्ष 2017–18 में सड़क का निर्माण कार्य किया गया। लेकिन 10 किलोमीटर सड़क सुरासू गांव तक बनने के बाद सड़क निर्माण बंद कर दिया। जबकि सुरासू और खर्क की एक ही ग्राम पंचायत है। सुरासू से खर्क की दूरी मात्र दो किलोमीटर है।

नहाते समय तेज बहाव में बहा राजस्थान का युवक, मौत

रुद्रप्रयाग। तिलवाड़ा क्षेत्र में मंदाकिनी नदी में नहाते समय एक युवक तेज बहाव की चपेट में बह गया और उसकी मौत हो गई। एसडीआरएफ टीम ने सर्च अभियान चलाकर युवक का शव नदी से बरामद किया। युवक राजस्थान का निवासी था। शुक्रवार को डीसीआर रुद्रप्रयाग से एसडीआरएफ पोस्ट अगस्त्यमुनि को सूचना मिली कि तिलवाड़ा रामपुर क्षेत्र के पास एक व्यक्ति नदी के तेज बहाव में बहकर लापता हो गया है। उपनिरीक्षक धर्मेंद्र पंवार के नेतृत्व में एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। तेज बहाव के बीच एसडीआरएफ टीम ने नदी क्षेत्र में खोज कर युवक का शव बरामद किया। मृतक की पहचान मनीष (33) निवासी राजस्थान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह स्नान के दौरान नदी के तेज बहाव में बह गया था। युवक का शव मोर्चरी लाया गया है।

पटेलनगर में सेनेटरी दुकान और बंद मकान से लाखों की चोरी

देहरादून। पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने दो अलग–अलग वारदातों में लाखों चोरी को अंजाम दिया। दोनों मामलों में पीड़ितों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस चोरों की तलाश में जुट गई है। चोरी की पहली वारदात सहारनपुर रोड स्थित एक सेनेटरी की दुकान में हुई। कमल भाटिया ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि छह मई रात दुकान बंद की। अगले दिन सुबह देखा तो दुकान के ताले टूटे थे। चोर अंदर रखे सुप्रीम, एस्को और जगुआर कंपनी के लगभग साढ़े तीन लाख रुपये के पीतल के आइटम चोरी कर लिए। घटना का पता चलने पर कंट्रोल रूम को सूचना दी। पीड़ित ने पुलिस को वह सरिया भी सौंप दिया है जिससे चोरों ने ताला तोड़ा था। सीसीटीवी की वीडियो रिकॉर्डिंग भी पुलिस को उपलब्ध करा दी गई है।

टाइल कारीगर ने अंतरा सोसाइटी में फंदे से लटककर दी जान

देहरादून। राजपुर थाना क्षेत्र के गुनियाल गांव स्थित अंतारा पुरुकुल सीनियर लिविंग में काम करने वाले एक टाइल कारीगर ने स्टोर रूम में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना गुरुवार की है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। एसओ राजपुर पीडी भट्ट ने बताया कि गुरुवार को कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि गुनियाल गांव के अंतारा पुरुकुल सीनियर लिविंग में एक व्यक्ति ने सुसाइड कर लिया है। सूचना मिलते ही कुठाल गेट चौकी प्रभारी प्रवीण सैनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर उन्होंने देखा कि टाइल–पत्थर के स्टोर रूम में एक व्यक्ति प्लास्टिक के मोटे रस्से के सहारे छत के पाइप से लटका हुआ है। मौके पर मृतक के परिजन और अंतारा सोसाइटी का स्टाफ भी मौजूद था।

मसूरी में जाम में फंसे लोग, व्यापार हो रहा प्रभावित

देहरादून। मसूरी में पर्यटकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होने से माल रोड सहित संपर्क मार्गों व मुख्य मार्ग पर जाम लग गया। स्कूली बच्चों और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को अपराह्न 3:00 बजे करीब पिक्चर पैलेस चौक पर जाम लगने से स्कूली बच्चों के साथ ही पर्यटक स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पंजाब से मसूरी घूमने आए रमनदीप सिंह ने बताया कि वह करीब आधे घंटे तक जाम में फंसे रहे जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि वह कई शहरों में घूमने के लिए गए थे लेकिन जिस तरह से मसूरी में जाम लग रहा है इस तरह का जाम और अन्य शहरों में कहीं भी देखने को नहीं मिला। गौरतलब है कि नगर पालिका द्वारा मसूरी में ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए हाल ही में ट्रैफिक प्लान बनाया गया था जो पहले दिन शुक्रवार को ही भीड़ बढ़ने पर फेल होता हुआ नजर आया।

आईआईटी रुड़की में सेंटर फॉर रेगुलेटरी अफेयर्स का हुआ उद्घाटन

रुड़की। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को आईआईटी रुड़की में सेंटर फॉर रेगुलेटरी अफेयर्स का उद्घाटन किया। यह केंद्र फोरम ऑफ रेगुलेटर्स और आईआईटी रुड़की की संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के विद्युत क्षेत्र की नियामकीय संरचना को सुदृढ़, पारदर्शी और भविष्य उन्मुख बनाना है। जून 2024 में कार्यभार संभालने के बाद से मनोहर लाल ने नियामकीय प्रक्रियाओं में सुधार, संस्थागत क्षमता निर्माण और बढ़ती विद्युत मांग, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण तथा डिजिटल प्रौद्योगिकियों जैसी चुनौतियों से निपटने पर विशेष बल दिया है। इसी दिशा में यह केंद्र अनुसंधान, क्षमता निर्माण, परामर्श सहयोग और ज्ञान प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करेगा। मंत्री ने कहा कि यह आईआईटी के सहयोग से स्थापित दूसरा केंद्र है। इससे पहले आईआईटी दिल्ली में भी एक समान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया गया था। उन्होंने अपेक्षा जताई कि रुड़की का यह केंद्र रेगुलेटरी सैंडबॉक्सिंग और डिमांड फ्लेक्सिबिलिटी जैसे विषयों पर चर्चा को आगे बढ़ाएगा और नवाचारी प्रौद्योगिकियों के विकास में योगदान देगा। केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग/फोरम ऑफ रेगुलेटर्स के अध्यक्ष जिष्णु बरुआ ने कहा कि यह केंद्र भारतीय उद्योग के लिए नियामकीय क्षमता निर्माण का अग्रणी संस्थान बनेगा और उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान व प्रकाशनों के माध्यम से भारत के विचार नेतृत्व को प्रदर्शित करेगा।

पालकोट क्षेत्र में रसोई गैस कनेक्शनों के ई–केवाईसी के लिए लगे शिविर

नई टिहरी। नरेंद्रनगर ब्लॉक के पालकोट क्षेत्र के लोगों ने नरेंद्रनगर उपजिलाधिकारी आशीष घिल्डियाल को क्षेत्र में नियमित रसोई गैस की आपूर्ति करने और गैस कनेक्शन की ई–केवाईसी के लिए क्षेत्र में शिविर लगाने की मांग की है।जिला पंचायत सदस्य जोत सिंह असवाल के नेतृत्व में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का एक शिष्टमंडल नरेंद्रनगर तहसील पहुंचा। उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि पालकोट क्षेत्र के लोगों को रसोई गैस कनेक्शनों की ई–केवाईसी कराने के लिए कई किलोमीटर दूर ऋषिकेश आना पड़ रहा है। बताया वर्षों पहले क्षेत्र के लोगों ने इंडियन ऋषि गैस सेवा ऋषिकेश से रसोई गैस कनेक्शन लिए थे। एजेंसी वहीं से क्षेत्र में रसोई गैस की आपूर्ति करती थी। लेकिन माह से सुंदर गैस एजेंसी खाड़ी और इंडियन गैस एजेंसी नकोट से क्षेत्र में सिलिंडर की आपूर्ति कर रही है। जबकि उपभोक्ताओं के रसोई गैस कनेक्शन ऋषि गैस सेवा ऋषिकेश के हैं। कनेक्शनों की ई–केवाईसी और रसोई गैस कनेक्शन को दूसरी गैस एजेंसी में बदलवाने के लिए उपभोक्ताओं को ऋषिकेश के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। जिससे उपभोक्ता परेशान हैं।

मौसम के बदलाव से बढ़ रही खांसी–जुखाम और बुखार की शिकायतें

नई टिहरी। टिहरी जिले गत एक सप्ताह से अधिक समय से मौसम में अचानक हो रहे बदलाव के चलते छोटे बच्चों और बड़े–बुजुर्गों खांसी, जुखाम और बुखार की शिकायतें देखने में आ रही है। डॉक्टरों ने इस तरह के मौसम में विशेषकर बच्चों और बजुर्गों को बचाने की सलाह दी है। साथ ही खानपान का भी विशेष ध्यान रखने को कहा है। गर्मी के मौसम में तेज धूप के बीच अचानक मौसम खराब होने से तापमान आ रही गिरावट से लोगों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। जिसके कारण खांसी, जुखाम, बुखार, संक्रमण और लूज मोशन आदि बीमारियों की शिकायतें को लेकर लोग जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। अस्पताल के सीएमएस व फिजिशियन डॉ अमित राय का कहना मौसम में हो रहे परिवर्तन का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने की विशेष जरूरत है। ताजा खाना और पानी उबाल कर पीने की जरूरत है। कहा कि शादी विवाह और बाहर के खाने से परहेज करे। चटक धूप के बाद बारिश पर होने से शरीर के तापमान संतुलन बिगड़ जाता है।

मेलाधिकारी ने सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया

हरिद्वार। कुंभ मेला–2027 की तैयारियों के अंतर्गत संचालित आधारभूत विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों के क्रम में मेलाधिकारी सोनिका ने शुक्रवार को मनसा देवी मंदिर परिसर, मंदिर के पैदल मार्ग तथा हरकीपैड़ी से लालतरो पुल तक संचालित गलियों के सुधार एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को सभी कार्य गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। मेलाधिकारी ने मनसा देवी पैदल मार्ग के सुधार एवं सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्तावित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने तथा सुरक्षा संबंधी समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर परिसर में प्रस्तावित सौंदर्यीकरण कार्यों क्या संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मेलाधिकारी ने कहा कि हरिद्वार देश–विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है तथा कुंभ मेला–2027 के दृष्टिगत शहर की आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था परियोजना क्रियान्वयन इकाई, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि नियमित निगरानी के माध्यम से कार्यों की समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित की जाए। मेलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि गलियों के सुधार कार्यों के साथ–साथ जल निकासी व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पैदल मार्गों एवं सार्वजनिक सुविधाओं को भी बेहतर बनाया जाए, ताकि कुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मनसा देवी मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आवागमन रहता है। ऐसे में इस क्षेत्र का आकर्षक एवं व्यवस्थित स्वरूप श्रद्धालुओं के अनुभव को और बेहतर बनाएगा। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य इस प्रकार संपादित किए जाएं कि धार्मिक नगरी हरिद्वार की पारंपरिक एवं सांस्कृतिक पहचान भी संरक्षित रहे।

निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने हरिद्वार–रुड़की विकास प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनसा देवी जाने वाले प्रमुख मार्ग पर भवन अग्रभाग (फसाड) सौंदर्यीकरण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। मेलाधिकारी ने कहा कि फ़साड सौंदर्यीकरण कार्य के अंतर्गत भवनों एवं मार्गों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक विषयवस्तु के अनुरूप विकसित किया जाए, जिससे हरिद्वार की आध्यात्मिक पहचान और अधिक प्रभावी रूप में उभरकर सामने आए। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला–2027 को दिव्य, भव्य एवं स्वच्छ स्वरूप प्रदान करने के लिए शहर के प्रमुख मार्गों, घाटों एवं सार्वजनिक स्थलों का समग्र विकास किया जा रहा है।

प्रशासन ने 30 पशुपालकों को दी 16 लाख 52 हजार की सहायता राशि

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : चमोली जिले के गौणा गांव के भनाली तोक में आकाशीय बिजली गिरने से मारी गई बकरियों के स्वामियों को जिला प्रशासन ने राहत राशि वितरित की। शुक्रवार को राज्य सभा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडे ने पशुपालकों को राहत राशि के चैक प्रदान किए गए।

गौरतलब है कि बीती 4 मई को जनपद के गौणा गांव के भनाली तोक में आकाशीय बिजली गिरने से 30 पशुपालकों की 413 बकरियां मर गई थी। जिस पर जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश पर वन विभाग और तहसील प्रशासन की टीम की ओर से घटना की जांच कर रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी गई। जिसके आधार पर जिला प्रशासन की ओर से 30 पशुपालकों को 16 लाख 52 हजार की राहत राशि चैक के माध्यम से वितरित की गई। इस मौके पर तहसीलदार दिप्ती शिखा, हुकम सिंह, राकेश सिंह, बादर सिंह, सुनील सिंह, प्रकाश सिंह,मदन लाल, देवी लाल सहित अन्य आपदा प्रभावित भी मौजूद थे।

तुंगनाथ–चोपता में जल्द बनेगी स्थायी स्वास्थ्य इकाई

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध तुंगनाथ–चोपता क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए जल्द ही एक स्थायी फैब्रिकेटेड स्वास्थ्य इकाई का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 40 लाख रुपये की डीपीआर तैयार कर ग्रामीण निर्माण विभाग को भेज दी गई है। 22 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद से मरीजों की संख्या बढ़ी है। पिछले 15 दिनों में करीब 400 लोग जांच करा चुके हैं और यहां रोजाना औसतन 25–30 ओपीडी हो रही है। मगर वर्तमान में केंद्र अस्थायी भवन में सिर्फ एक फार्मासिस्ट और स्वास्थ्य मित्र के भरोसे चल रहा है। सीएमओ डॉ. रामप्रकाश ने बताया कि स्थायी भवन बनते ही यहां डॉक्टर की नियुक्ति कर दी जाएगी। नए भवन में स्वास्थ्य केंद्र के साथ कर्मियों के लिए आवासीय कक्ष भी होंगे। स्थायी इकाई बनने से हजारों पर्यटकों और स्थानीय लोगों को अब सीमित संसाधनों के बजाय उचित चिकित्सा लाभ मिल सकेगा।

अपहरण और पॉक्सो एक्ट में बंद युवक को सशर्त जमानत

नई टिहरी। नाबालिग का अपहरण करने और पॉक्सो अधिनियम में सलाखों के पीछे बंद युवक को विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट)/ जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने जमानत दी है। अभियुक्त को 40–40 हजार रुपये के दो जमानत धनराशि और इतनी ही राशि का व्यक्तिगत बंध पत्र पर इस शर्त के साथ जमानत दी गई है, कि वह बंधपत्र की शर्तों के अनुसार कोर्ट में हाजिर होगा। घनसाली पुलिस थाने में एक नाबालिग की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने जांच पड़ताल के दौरान नाबालिग को पंजाब में अभियुक्त युद्धवीर सिंह के साथ बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को नाबालिग का अपहरण करने और पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जमानती प्रार्थना पत्र में तर्क दिया गया कि उसकी जान पहचान फेसबुक और इंस्टाग्राम पर हुई थी। करीब डेढ़ माह पहले नाबालिग स्वयं पंजाब गई। पीड़िता ने भी लैंगिक हमला और दुराचार होने का कोई बयान नहीं दिया है, अभियुक्त का कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं है। जमानत पर रिहा होने के बाद उसके फरार होने की कोई संभावना नहीं है। जिससे अभियुक्त का जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार किए जाने योग्य है। विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट)/ जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन शर्मा की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अभियुक्त को इस शर्त पर जमानत दी है, कि वह बंधपत्र की शर्तों के अनुसार अदालत में हाजिर होगा।

चंपावत प्रकरण पर भाजपा का काँग्रेस पर पलटवार

देहरादून। भाजपा की प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत ने चंपावत मामले को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को दोबारा हासिल करने के लिए झूठ और फरेब का सहारा ले रही है। भाजपा का दावा है कि मुख्यमंत्री और सत्ताधारी दल के नेताओं की छवि को धूमिल करने के लिए कांग्रेस लगातार एक 'प्री–प्लान' साजिश के तहत काम कर रही है।

दीप्ति रावत ने कहा कि कांग्रेस के पास जनता के बीच जाने के लिए कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह अब षड्यंत्र रचने पर उतर आई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा और मुख्यमंत्री की बेदाग छवि को खराब करने के लिए चंपावत प्रकरण को जानबूझकर राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। उन्होंने शासन–प्रशासन से इस पूरे षड्यंत्र में शामिल कांग्रेस नेताओं पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

आनंद मेहरा की भूमिका पर उठाए सवालः भाजपा प्रदेश महामंत्री ने चंपावत के स्थानीय कांग्रेस नेता आनंद मेहरा की भूमिका पर भी तीखे सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि मेहरा जिस तरह से बार–बार अपने बयान बदल रहे हैं और बच्ची व बेटी के नाम पर राजनीति कर रहे हैं,

सीतापुर पार्किंग में अवैध वसूली के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग। सीतापुर पार्किंग में तीर्थयात्रियों से अवैध वसूली को लेकर गुस्साए व्यापार संघ ने पार्किंग का घेराव कर प्रदर्शन कर दिया। उन्होंने कहा कि 100 रुपये की जगह 500 से 1000 रुपये शुल्क लिया जा रहा है। उन्होंने अवैध वसूली बंद करने की मांग की और धरना शुरू कर दिया। सीतापुर में पार्किंग इस बार दिल्ली के व्यवसायी भारत भूषण के नाम आवंटित की गई है। समझौते के अनुसार पार्किंग में बने हॉल में सौ रुपये देकर कोई भी चालक या परिचालक रात्रि प्रवास कर सकता है। व्यापारियों का आरोप है कि पार्किंग संचालक प्रतिदिन करीब 500 से 1000 रुपये तीर्थयात्रियों से वसूलकर उन्हें रजाई गद्दा मुहैया करवा रहा है। साथ ही खाना बनाने के लिए दिए गए अतिरिक्त स्थान के लिए प्रति वाहन से भी 1200 रुपये वसूले जा रहे हैं। समझौते के अनुसार 8 घंटे पार्किंग की व्यवस्था देने पर प्रति वाहन से 300 लेने का प्रावधान है। व्यापारियों का आरोप है कि इन वाहन स्वामियों से तिगुना किराया वसूला जा रहा है। कई दिनों से आ रही इस तरह की शिकायतों से आक्रोशित व्यापारियों ने पार्किंग संचालक के विरुद्ध धरना शुरू कर दिया। स्वाभिमान मोर्चा से जुड़े त्रिभुवन चौहान नेतृत्व में नितिन जमलोकी, अंकित गैराला, रामचन्द्र गोस्वामी, मनोज सेमवाल अशोक सेमवाल ने प्रदर्शन कर विरोध जताया। वहीं जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे का कहना है कि यदि यात्रियों से अधिक शुल्क वसूला जा रहा है तो इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध वसूली की मुख्यमंत्री से शिकायतः जिला पंचायत सदस्य त्रियुगीनारायण अमित मैखंडी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर पार्किंग में अवैध वसूली बंद करने मांग की। उन्होंने कहा कि पार्किंग संचालक पूर्व की अपेक्षा स्थानीय व्यवसायियों से दोगुना पैसा लेकर पार्किंग की दुकानों को आवंटित कर रहा है।

एक नजर

शिविर में 172 लोगों ने कराई जांच

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : थलीसैंण ब्लॉक के मिलन केंद्र में प्राईम हॉस्पिटल काशीपुर द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 172 लोगों की जांच कर निःशुल्क दवाई वितरित की गई। शुक्रवार को आयोजित शिविर में प्रेम हॉस्पिटल काशीपुर के एमडी विमल बोहरा ने सभी पूर्व सैनिकों एवं क्षेत्र वासियों को प्रेम हॉस्पिटल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन में पूर्व सैनिकों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। शिविर में डॉ. फैजान अंसारी, डॉ. मुसाहिर अली, गौरव कुमार, रमन प्रजापति, मैनेजर रवि भूषण, दीपक नेगी, संजीव ने लोगों की जांच की। कुछ पीड़ितों को काशीपुर के लिए रेफर किया गया। जिनके आने-जाने की व्यवस्था और निःशुल्क उपचार की व्यवस्था हॉस्पिटल की ओर से की जायेगी। इस मौके पर प्राइम हॉस्पिटल काशीपुर के एमडी विमल बोहरा ने पूर्व सैनिकों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सैनिक संगठन के उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, सचिव राजकुमार सिंह, कोषाध्यक्ष कलम सिंह, भोपाल सिंह, आशाराम पोखरियाल, दर्शन सिंह, बलबीर सिंह, महावीर सिंह, बालम सिंह आदि मौजूद रहे।

शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास पैठाणी में आयोजित अभिभावक-शिक्षक संघ की बैठक में छात्रहितों के समग्र विकास पर चर्चा हुई। इस दौरान शिक्षाविदों ने महाविद्यालय की उपलब्धियां, अधोसंरचना व शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने के लिए भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। प्राचार्य प्रो. डॉ. विजय कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में अभिभावकों की भूमिका पर जोर दिया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. कुमार गौरव जैन ने अभिभावकों को संघ की भूमिका से रूबरू किया। पीटीए अध्यक्ष अमर सिंह नेगी, उपाध्यक्ष सुनील ढौंडियाल ने छात्र छात्राओं की निरंतर उपस्थिति, अभिभावकों का लगातार सहयोग और कमजोर छात्रों के लिए रेमेडियल क्लास की व्यवस्था करने के सुझाव दिए। इस मौके पर कोषाध्यक्ष गणेश चंद्र, सह सचिव डॉ. कल्पना रावत, छात्र सदस्य तनिषा गोदियाल, अंजली भट्ट, डॉ. दिनेश रावत, डॉ. कल्पना रावत, डॉ. पुनीत चंद्र वर्मा, डॉ. खिलाप सिंह आदि मौजूद रहे।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर नौ लोगों ने किया रक्तदान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विश्व रेडक्रॉस दिवस पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) की संयुक्त पहल पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नौ लोगों ने रक्तदान किया, जबकि 19 लोगों ने पंजीकरण करवाया। इस दौरान लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया। कहा कि सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इससे किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। यह महादान है। रक्तदान करने के साथ ही अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। जिला अस्पताल में आयोजित शिविर का उद्घाटन डीएलएसए सचिव/सिविल जज नाजिश कलीम ने किया।

सड़क पर बह रहा पानी, लोगों के सूख रहे कंठ

कोटद्वार क्षेत्र में पेयजल लाइन के लीकेज होने के कारण सड़क में फैला पानी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी का पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। ऐसे में शहर में लीकेज पेयजल लाइनें लोगों के कंठ सूखा रहे हैं। दरअसल, इन लीकेज लाइनों से सड़कें तो तर हो रही हैं। लेकिन, घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। यदि समय पर इन ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया तो गर्मी में चुनौती और अधिक बढ़ सकती है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में सत्तर के दशक में पेयजल लाइन बिछाई गई थी। उस समय कोटद्वार व भाबर क्षेत्र की जनसंख्या करीब 30 से 35 हजार थी। लेकिन, वर्तमान में यह संख्या डेढ़ लाख के पार पहुंच गई है। जनसंख्या व भवनों की संख्या बढ़ने से शहर में कनेक्शनों की संख्या तो बढ़ी। लेकिन, पेयजल लाइनें पुरानी ही चल रही हैं। नतीजा, दशकों पुरानी पेयजल लाइन शहरवासियों के लिए चुनौती बन रही है। जगह-जगह लीकेज पेयजल लाइनों से कई लीटर पानी सड़क पर बहता रहता है। सबसे बुरी स्थिति बाजार क्षेत्र में बनी हुई है। सड़क पर बह रहे पानी के कारण यातायात व्यवस्था व पैदल चलने में भी परेशानी होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही स्थिति विकराल होगी। लीकेज पेयजल लाइनों के कारण घरों में पर्याप्त पानी तक नहीं पहुंच पाता, जिसके कारण वार्डवासियों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। पुरानी पेयजल लाइन को हटाकर नई लाइन बिछाने के लिए कई बार जनप्रतिनिधि व अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब तक हालत जस के तस बने हुए हैं। जबकि, पूर्व में विधानसभा अध्यक्ष अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने भी अधिकारियों को लीकेज लाइनों को बदलने का निर्देश दिए थे।

लीकेज से पहुंच रहा दूषित पानी

शहर में कई स्थानों पर पेयजल लाइन गंदे नाले से होकर गुजर रही है। ऐसे में लीकेज पेयजल लाइन से होते हुए गंदा पानी घरों तक पहुंच रहा है। काशीरामपुर तल्ला, काशीरामपुर मल्ला, देवी रोड सहित भाबर क्षेत्र के अन्य वार्डों में यह समस्या है। गंदे पानी की आपूर्ति से लोगों को संक्रामक बीमारियों का भी खतरा बना रहता है।

निधन के बाद भी दो लोगों की जिंदगी में रोशनी छोड़ गए रघुवीर शरण अग्रवाल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रघुवीर शरण अग्रवाल के निधन के बाद उनके नेत्रदान से दो जरूरतमंद लोगों को नई दृष्टि मिलेगी। रघुवीर शरण अग्रवाल के निधन के बाद उनके पुत्र चिकित्सक डा. मनोज अग्रवाल ने पिता के नेत्र दान करने का निर्णय लिया।

93 वर्षीय अग्रवाल का एक दिन पूर्व निधन हो गया था। जिसके बाद परिवार ने उनकी इच्छा के अनुरूप नेत्रदान का निर्णय लिया। परिजनों आशुतोष अग्रवाल, डॉ. मनोज अग्रवाल और हितेश अग्रवाल ने निर्मल आश्रम नेत्र संस्थान से संपर्क किया। इसके बाद संस्थान की टीम कोटद्वार पहुंची और स्व. अग्रवाल के कॉर्निया सुरक्षित रूप से प्राप्त किए गए। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। संस्थान के डॉक्टरों की टीम में डॉ. तुषार और डॉ. मकेंद्रू शामिल रहे। नेत्रदान के इस निर्णय से अब दो लोगों को रोशनी मिलेगी। चिकित्सक डा. मनोज अग्रवाल ने बताया कि उनके पिता की इच्छा थी कि उनकी मृत्यु के बाद उनकी आंखों को दान किया जाएं। स्थानीय लोगों और संस्थान के अधिकारियों ने अग्रवाल परिवार के इस कदम की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। रघुवीर शरण अग्रवाल भले ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका नेत्रदान कई लोगों के जीवन में उजाला बनकर हमेशा याद किया जाएगा।

शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्ती, वाहन किए सीज

शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार में शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। गुरुवार रात शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वाहन चेकिंग अभियान चलाकर कई चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान वाहनों को सीज कर चालकों के खिलाफ संबंधित कार्रवाई की गई।

पुलिस ने कौड़िया, झंडाचौक, नजीबाबाद रोड समेत अन्य स्थानों पर वाहनों को रोककर एल्कोमीटर से जांच की। जांच के दौरान नशे में वाहन चला रहे चालकों के वाहनों को कोतवाली लाकर सीज किया गया। साथ ही संबंधित चालकों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डॉ० प० द० व० एच० राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में आज दिनांक 08.05.2026 को विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर मानवता में एकजुट विषय पर विचार गोष्ठी एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य प्रो0 (डॉ) आर0 एस0 चौहान द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उन्होंने अपने आशीष वचनों में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्चित करना नहीं बल्कि मानवीय मूल्य एवं सेवा भावना का विकास करना भी है। कार्यक्रम में रेडक्रॉस संयोजिका डॉ मीनाक्षी वर्मा ने विश्व रेडक्रॉस दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रेडक्रॉस मानव सेवा, सहयोग एवं करुणा का प्रतीक है। उन्होंने छात्र–छात्राओं को समाज सेवा एवं मानवता के कार्यों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। विचार गोष्ठी में छात्र–छात्राओं ने "मानवता में एकजुट" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सेवा, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व को बताया। निबंध प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया विच विचार गोष्टी में ज्योति कश्यप तृतीय स्थान, सुशांत सिंह द्वितीय स्थान तथा सुरभि बुडाकोटी प्रथम स्थान पर रही।

निबंध प्रतियोगिता में पूजा भारद्वाज एवं ज्योति कश्यप तृतीय स्थान, प्रगति एवं ऋषभ शाह द्वितीय स्थान, एवं सुरभि बुढ़ाकोटी प्रथम स्थान पर रहे।निर्णायक मंडल में डॉ जुनीष कुमार, डॉ संदीप कुमार,डॉ श्रृद्धा सिंह डॉ विमल त्यागी, डॉ निकहत अंसारी, डॉ मिलन सिंह सम्मिलित थे।

डॉ0 जुनीष कुमार ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है तथा युवाओं को समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। डॉ संदीप कुमार ने छात्र–छात्राओं को समाज हित के कार्य करने तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रभावशाली ढंग से किया गया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ सुरेश कुमार,रेंजर्स प्रभारी डॉ सुषमा भट्ट थलेड़ी,डॉ एस सी बहुगुणा, डॉ एस के गुप्ता, डॉ नीता भट्ट,डॉ सरिता चौहान,डॉ अंशिका बंसल, डॉ चंद्रप्रभा भारती, डॉ जितेंद्र दिवाकर,डॉ ममता रावत, डॉ हीरा सिंह श्री अरविंद दुदपुड़ी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए (एकल पैकेट प्रणाली) के अन्तर्गत खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं:–

1	कार्य का नाम व स्थान	रोजा में लाइन स. 5 व 6 में स्थित माल गोदाम में बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के प्रावधान के विस्तार सहित सेवा भवनों, माल गोदाम, आवगमन क्षेत्र के विद्युतीकरण के लिए सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य, RPF पोस्ट मुरादाबाद में अधीनस्थ अधिकारियों के लिए 2 कमरों सहित 60 बिस्तरों वाले पुरुष बैरक के नए निर्माण का विद्युतीकरण, जिसमें शौचालय, मेस, स्टोर, जिम, भोजन कक्ष, मनोरंजन कक्ष तथा छत पर सौर पैनल का प्रावधान शामिल हैं तथा उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/मुरादाबाद के अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी भी अन्य स्थल पर सामान्य विद्युत आपूर्ति कार्य।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	₹ 2,10,03,791.95/-
4	बयाना राशि जो जमा की जानी है	₹ 4,20,100/- (ऑनलाइन जमा करें) बोली सुरक्षा या तो ई–पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड अनुबंध–ए (1) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के बाद 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा।
5	ई–निविदा जमा करने एवं ई–निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 01.06.2026 समय 15:00 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 01.06.2026 समय 15:00 बजे खोली जाएगी।
6	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 17.05.2026 से दिनांक 01.06.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। निविदाकर्ता जो ई–निविदा में भाग लेने को इच्छुक है उनको सलाह दी जाती है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपना ई–पंजीकरण करा ले जिसके लिए उन्हें क्लास III डिजिटल प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी (यदि पहले से उपलब्ध नहीं है), जो आई टी नियम–2000 के अन्तर्गत सीसीए द्वारा जारी की जाएगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में दिये गये है। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर भी देखा जा सकता है।

प्रपत्र सं. 17–विद्युत/नि/टी/जी.पी.एस/एम.बी./65 दिनांक: 07.05.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1547/26

टूरिस्ट संदेश फॉउण्डेशन ने किया अन्तर उच्च शिक्षण संस्थान भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता में कुमकुम प्रथम, धरा रावत द्वितीय, श्वेता बेंजवाल रही तृतीय

कोटद्वार। टूरिस्ट संदेश फॉउण्डेशन ने कण्वनगरी संस्कारशाला के तहत 'संवाद से समाधान तक' कार्यक्रम में अन्तर उच्च शिक्षण संस्थान भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह भाषण प्रतियोगिता कोटद्वार में नशामुक्ति जागरूकता अभियान के तहत आयोजित की गयी थी। नशामुक्ति जागरूकता अभियान के तहत सर्वप्रथम किशनपुरी (भाबर) चौक से अनामिका वेडिंग प्वांइट तक एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में एनएसएस के बच्चों ने प्रतिभाग किया। रैली में अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कालेज कण्वघाटी, राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज कण्वघाटी, राजकीय इण्टर कॉलेज झण्डीचौड़ तथा एमकेवीएन के बच्चों ने प्रतिभाग किया। वरिष्ठ समाजसेवी सत्य प्रकाश थपलियाल की अध्यक्षता में आयोजित इस भाषण प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि ऋतु खण्डूरी भूषण, उत्तराखण्ड विधानसभा अध्यक्ष के प्रतिनिधि के रूप में विपिन कैंथोला, मुख्य वक्ता नागेन्द्र उनियाल, विशिष्ट वक्ता डॉ सुरेन्द्र लाल आर्य, आईएचएमएस के प्राचार्य डॉ अश्विनी कुमार शर्मा तथा मयंक प्रकाश कोठारी थे। प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी की छात्रा कुमकुम प्रथम, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा धरा रावत द्वितीय तथा श्वेता बेंजवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पूर्व प्रधानाचार्या श्रीमती वन्दना भारद्वाज, निजी स्कूल संचालक एसोशिएशन के अध्यक्ष अजयपाल सिंह रावत तथा पूर्व शिक्षक जे पी ध्यानी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। भाषण प्रतियोगिता में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, कण्वघाटी महाविद्यालय, भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय,

आईएचएमएस, मालिनी वैली बीएड कॉलेज तथा चन्द्रावती लॉ कॉलेज कोटद्वार के प्रतिभागियों ने किया। मुख्य अतिथि श्रीमती ऋतु खण्डूरी भूषण ने मोबाइल के माध्यम से अपने सम्बोधन में टूरिस्ट संदेश फॉउण्डेशन के नशामुक्ति अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि, आज समाज में नशे की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करने के लिए इस प्रकार के प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि हमारे युवा समृद्ध राष्ट्र के लिए संस्कार युक्त, नशामुक्त हो सकें। उन्होंने युवाओं से आवाहन करते हुए कहा कि, हमारे युवा देश को समृद्ध करने तथा समाज को नशामुक्त करने का संकल्प लें। कार्यक्रम के अध्यक्ष सत्य प्रकाश थपलियाल ने युवाओं को नशामुक्त रहने के लिए जागरुक करने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि के प्रतिनिधि विपिन कैंथोला ने नशामुक्ति जागरूकता अभियान को व्यापक रूप से चलाने के लिए सभी स्कूलों कालेजों में नशामुक्ति कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र उनियाल ने कहा कि, युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए माता–पिता को भी संस्कारित व्यवहार करने की आवश्यकता है। शादी–विवाह आदि समारोहों में मादक द्रव्यों का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, उस पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

मयंक प्रकाश कोठारी ने युवाओं में संस्कारित करने के लिए मिशन चलाने तथा प्रत्येक संस्थान में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को जागरूक करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में कै. पी एल खन्तवाल, राजेन्द्र प्रसाद पंत, वरिष्ठ पत्रकार कमल बिष्ट, सूरज कुकरेती, पूर्व प्रधानाचार्य शंकर दत्त गौड़, चित्तमणी देवलियाल, राजकुमारी रांगडा, भावना पाण्डेय, पी एन मिश्रा, शैलेश बड़थ्वाल, सत्य नारायण नौटियाल, प्रदीप भट्ट, डॉ अनुराग शर्मा, डा सुषमा थलेडीभट्ट, डॉ सुनीता नौटियाल, ज्योति नेगी, सुन्दर लाल जोशी, कमल जोशी सहित अनेक गणमान्य लोग एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राकेश मोहन ध्यानी ने किया तथा अरविन्द दुदपुड़ी ने उपस्थित सभी जनों का आभार व्यक्त किया।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर जीन हेनरी ड्यूनेंट को किया याद

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में विश्व रेडक्रॉस दिवस पर कार्यशाला आयोजित कर रेडक्रॉस सोसायटी के संस्थापक जीन हेनरी ड्यूनेंट को याद किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस मानवता, करुणा और सेवा की भावना को समर्पित है। उन्होंने बताया कि ड्यूनेंट ने सोल्फेरिनो युद्ध की विभीषिका देखने के बाद घायल लोगों की सहायता के लिए वर्ष 1863 में रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना की थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 1901 में ड्यूनेंट को शांति के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारत में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी वर्ष 1920 से रक्तदान, आपदा राहत और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कार्य कर रही है। कार्यक्रम में वर्ष 2026 की थीम "मानवता को जीवित रखना" पर चर्चा की गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने स्लोगन और पोस्टर बनाकर रक्तदान के महत्व का संदेश दिया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी, पौड़ी-गढ़वाल

संख्याः- 204 / न0पा0प0/निवि. सू.-2026/रा0वि0/दिनांकः मई 07 2026

निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद पौड़ी, द्वारा वर्ष 2025-026 हेतु पंजीकरण/पंजीकरण का नवीनीकरण करवाए हुए ठेकेदारों से राज्य वित्त/अन्य मदों के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों की सीलबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें दिनांक 20-05-2026 को अपराह्व 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी में प्राप्त की जायेंगी तथा दिनांक 21-05-2026 को अपराह्व 04:00 बजे उपस्थित ठेकेदारों एवं अधोहस्ताक्षरी/अधिकृत अधिकारी/गठित चयन समिति के समक्ष खोली जायेंगी।

निविदा प्रपत्र दिनांक 08-05-2026 से किसी भी कार्य दिवस को प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक निर्धारित शुल्क जमा कर कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक कार्य की निविदा के साथ कार्य की लागत का 3 प्रतिशत टी.डी.आर./ सी.डी.आर. /एन.एस.सी./एफ.डी.आर. जो अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद पौड़ी के नाम बन्धक हो, लगानी अनिवार्य होगी। बिना धरोहर धनराशि वाली निविदाओं पर किसी भी प्रकार से कोई विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी निविदा/समस्त निविदाओं को बिना किसी कारण बताये निरस्त / स्थगित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम वार्ड सहित	धरोहर धनराशि	निविदा फार्म का मूल्य (+) जी0एस0टी0	निविदा की वैद्यता	कार्य की लागत (ला0 रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदारी श्रेणी
1	वार्ड न0-11 पौड़ी में गडोली मार्ग से राजकुमार (अनिल मंडी) के घर तक जाने वाले मार्ग में रास्ता दीवार, और रैलिंग निर्माण कार्य।	12750/-	500.00	45 दिन	4.12 लाख	02 माह	सी
2	थाना पौड़ी से बाल्मिकि बस्ती वार्ड संख्या 03 और 04 तक पौड़ी में इंटरलॉक टाईल पथ की मरम्मत, दीवार और नाली का पुर्ननिर्माण कार्य।	15000/-	500.00	45 दिन	4.90 लाख	02 माह	सी
3	पौड़ी में संदीप ग्लास हाउस से कमला देवी और प्रवीन रैबारी से शिवानी कैमनी के घर तक वार्ड न0-05 में दीवार, सी0सी0 सस्ता, और नाली का निर्माण कार्य।	25500/-	1000.00	45 दिन	8.23 लाख	03 माह	बी
4	वार्ड न0-03 च्वींचा गांव में जी0आई0 पाईप को बदलने का कार्य।	4500/-	500.00	45 दिन	1.29 लाख	01 माह	डी
5	वार्ड न0-05 पौड़ी में स्व0 हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा का सौंदर्यीकरण और प्रतिमा के पास नाले को ढकने का कार्य।	18600/-	1000.00	45 दिन	6.09 लाख	03 माह	सी
6	वार्ड न0-07 विकास मार्ग में देवराज सिंह चौहान के घर के निकट नाली और दीवार का निर्माण कार्य।	10800/-	500.00	45 दिन	3.56 लाख	02 माह	सी
7	वार्ड न0-06 पौड़ी भंगरौ मार्ग में वाटर टैंक का निर्माण कार्य।	21000/-	1000.00	45 दिन	6.82 लाख	03 माह	सी
8	वार्ड न0-01 पौड़ी में देवप्रयाग रोड से नया बस अड्डा तक रास्ता निर्माण कार्य।	25000/-	1000.00	45 दिन	8.13 लाख	03 माह	बी
9	वार्ड न0-07 पौड़ी में विकास मार्ग से कोटद्वार रोड में जगदीश सिंह रावत के घर के निकट दीवार और रैलिंग का निर्माण कार्य।	7500/-	500.00	45 दिन	2.31 लाख	02 माह	डी

शर्तेः- 1- निविदा फार्म के मूल्य का 18 : प्रतिशत जी.एस.टी. के रूप में अतिरिक्त देय होगा।

2- निर्माण से सम्बन्धित समस्त सामग्री / उपकरण एंव अन्य निर्माण सम्बन्धी यंत्र आदि की व्यवस्था ठेकेदार के द्वारा स्वयं की जायेगी। पालिका द्वारा किसी भी प्रकार के उपकरण / सामग्री की आपूर्ति / व्यवस्था नहीं की जायेगी।

3- उपरोक्त के सम्बन्ध में अन्य जानकारियॉ कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी से ली जा सकती हैं। अनुबन्ध करते समय कुल धनराशि का 3 प्रतिशत राशि प्रत्येक निविदादाता को जमा करना अनिवार्य होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल

(0160/55)

संपादकीय

चंपावत प्रकरण अनसुलझी पहेली!

जनपद चंपावत में नाबालिग से गठित दुष्कर्म का मामला पूरे राज्य में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस प्रकरण में पुलिस ने जिस प्रकार से 24 घंटे में जांच के तथ्य सामने रखे हैं उस पर भी अब सवाल उठने लगे हैं। पूरे प्रकरण को शरण की साजिश बताया गया है तो वहीं पीड़ित लड़की ने भी सोशल मीडिया पर अपने साथ ऐसी कोई घटना से इनकार कर दिया। शायद ही यह देखने को मिलता है कि सीएमओ स्तर का अधिकारी किसी प्रकरण को लेकर मेडिकल परीक्षण के तथ्य के संबंध में बयान देता है। जब यह प्रकरण सामने आया था तो इसे सामूहिक बलात्कार का मामला बताया गया था और व्यापक तौर पर इसमें कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए गए थे। 6 मई 2026 को एक व्यक्ति ने कोतवाली चम्पावत में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री के साथ तीन लोगों ने दुष्कर्म किया है। तत्काल पोक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 10 सदस्यीय एसआईटी गठित गठित कर टीम को जान सौंपी गई। जांच में पाया गया कि पीड़िता विवाह समारोह में अपनी इच्छा से अपने दोस्त के साथ गई थी। पुलिस के अनुसार मेडिकल परीक्षण में न तो किसी संघर्ष के निशान मिले और न ही नाबालिक लड़की के साथ किसी प्रकार की जबरदस्ती की गई। इसी तरह कई गवाहों के बयान भी तकनीकी साक्ष्यों से मेल नहीं खाए। वही एक सबसे बड़ा मोड जांच के दौरान तब आया जब आरोपी की लोकेशन मौके पर नहीं पाई गई। अब जिस व्यक्ति पर आरोप लगाया गया है उसकी कॉल डिटेल निकालने के बाद पता लगा कि पीड़िता के साथ वह घटना से पूर्व लगातार संपर्क में रहा। जांच के बाद पुलिस ने जो प्रकरण का निचोड़ निकाला है उसमें कहा गया है कि बदले की भावना से प्रेरित होकर एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत पूरे घटनाक्रम को रचा गया। ऑपरेशन यह उठता है कि इस षड्यंत्र में यदि किसी व्यक्ति की भागीदारी की गई है तो क्या इस भागीदारी का हिस्सा बनने वाली लड़की के खिलाफ भी चंपावत पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करेगी? अभी इस प्रकरण में और कई तथ्य सामने आने वाले हैं क्योंकि विपक्ष इसे पूरी तरह से पुलिस की एक मनगढ़ंत कहानी बता रहा है और जांच के तरीके पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। जिस गति से जनपद पुलिस ने मैच 24 घंटे के अंदर प्रकरण को अलग मोड़ दिया उसे पर भी शक की निगाहों से देखा जा रहा है।

चिंतन-मनन

दौलत की चाह

ंत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग ेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। ह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय ूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक ड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।
उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो ाए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी।
जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ी दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं ै। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे

क्या राज्यपाल संवैधानिक मयार्दा से ऊपर हैं?

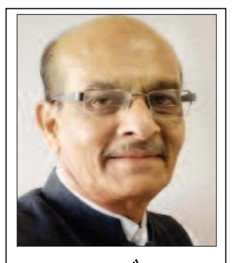

सनत जैन

तमिलनाडु में चुनाव परिणाम आने के बाद उत्पन्न राजनीतिक स्थिति ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र में राज्यपाल की भूमिका को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इसके साथ ही सरकार बनाने का दावा विजय राज्यपाल के सम्मुख कर चुके हैं। कांग्रेस के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई। बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है। इसके बावजूद राज्यपाल द्वारा सरकार गठन के लिए आमंत्रित न करना केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। भारतीय संविधान में राज्यपाल को एक संवैधानिक प्रमुख माना गया है, न कि राजनीतिक निर्णायक। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की इच्छा सर्वोपरि होगी। जब किसी दल को स्पष्ट बहुमत न मिले, तब सबसे बड़े दल या गठबंधन को सरकार बनाने का अवसर देना एक स्थापित संवैधानिक परंपरा बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि बहुमत का परीक्षण विधानसभा के भीतर होना चाहिए, राजभवन में नहीं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और उत्तराखंड जैसे मामलों में न्यायपालिका ने बार-बार यही सिद्धांत दोहराया है।
वर्तमान में तमिलनाडु का मामला इसलिए अधिक गंभीर माना जा रहा है क्योंकि चुनाव नतीजों के मुताबिक दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली अन्य पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा ही प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़े दल को शपथ ग्रहण का अवसर न देना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से बाधित करने जैसा प्रतीत होता है। राज्यपाल यदि यह कहें कि पहले पूर्ण बहुमत साबित करें, तभी शपथ दिलाई जाएगी, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि फिर विधानसभा में बहुमत परीक्षण की परंपरा का महत्व क्या रह जाएगा? पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्यपाल और निर्वाचित सरकारों के बीच टकराव बढ़ा है। विपक्ष शासित राज्यों में विधेयकों को महीनों और कभी-कभी वर्षों तक लंबित रखना, सरकारों के प्रशासनिक निर्णयों में हस्तक्षेप तथा राजनीतिक बयानबाजी ने इस पद की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। संविधान निमार्ताओं ने राज्यपाल पद की कल्पना केंद्र और राज्य के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए की थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह पद कई बार राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनता दिखाई देता है।
सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यदि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग न्यायालयों द्वारा स्थापित सिद्धांतों की भी अनदेखी करने लगें, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कमजोर होने लगता है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता; वह संवैधानिक मयार्दा, संस्थागत निष्पक्षता और स्थापित परंपराओं के सम्मान पर टिकता है। यदि निर्वाचित सरकारों के गठन में भी व्यक्तिगत विवेक या राजनीतिक झुकाव हावी होने लगे, तो यह संघीय ढांचे के लिए खतरे का संकेत होगा। ऐसे समय में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट को यह स्पष्ट करना होगा कि राज्यपाल का विवेक सीमित है और वह संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के जनादेश की होती है। उस जनादेश का सम्मान करना ही संविधान की वास्तविक आत्मा है।

संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रंप को पत्र में जो कुछ लिखा है उससे विपक्षी नेताओं की देशभक्ति पर सवाल उठ गया है

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं की प्रतिक्रियाएं अब केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधे सवाल खड़े करती दिखाई दे रही हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखना और ममता बनर्जी द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत जाने की चेतावनी देना इसी प्रवृत्ति का ताजा उदाहरण है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश के आंतरिक मामलों को विदेशी शक्तियों और वैश्विक मंचों तक ले जाना लोकतंत्र की रक्षा है या फिर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास?
हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। हैरानी की बात यह है कि यह सब उस समय कहा जा रहा है जब भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे विश्वसनीय और विशाल चुनावी संस्थाओं में गिना जाता है। यदि किसी दल को चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं हैं, तो उसके लिए न्यायपालिका, जन आंदोलन और संवैधानिक प्रक्रियाएं मौजूद हैं। फिर विदेशी राष्ट्रपति को पत्र लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी?
क्या भारत इतना कमजोर लोकतंत्र है कि यहां के चुनावों का फैसला विदेशी नेताओं की राय से तय होगा? क्या विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर उसे भरोसा नहीं है? यदि हर हार के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया जाएगा, तो इससे दुनिया में भारत की छवि पर क्या असर पड़ेगा?
इस पूरे विवाद में ममता बनर्जी का बयान भी कम गंभीर नहीं है। चुनाव हारने के बाद उनका यह कहना कि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी, कई सवाल खड़े करता है। क्या किसी राज्य के चुनावी परिणाम को लेकर संयुक्त राष्ट्र की न्यायिक संस्था में जाने की बात करना भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा नहीं है? जब देश का संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग मौजूद हैं, तब विदेशी अदालतों की चर्चा क्यों? दरअसल यह वही राजनीति है जिसमें जब तक सत्ता हाथ में रहे तब तक संस्थाएं निष्पक्ष लगती हैं, लेकिन हार मिलते ही चुनाव आयोग, सुरक्षा बल, न्यायपालिका और लोकतंत्र सब कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास भी मानी जा सकती है।
सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्षी दल अपनी राजनीतिक हार को स्वीकार करने का साहस खो चुके हैं? क्या लोकतंत्र केवल तब तक सही है जब तक परिणाम उनके पक्ष में आएं? यदि हर चुनाव के बाद विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी, तो क्या यह देश की आंतरिक संप्रभुता के खिलाफ कदम नहीं माना जाएगा?
भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सत्ता परिवर्तन चुनावों के माध्यम से होता है, अदालतें स्वतंत्र हैं और मीडिया पूरी तरह सक्रिय है। ऐसे में विदेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों को भारत के घरेलू राजनीतिक विवादों में घसीटना न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता दर्शाता है, बल्कि यह देश की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है।
राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन देश की छवि और संस्थाओं की विश्वसनीयता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो लोकतंत्र में हार और जीत दोनों को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी लोकतांत्रिक मयार्दा होती है। लेकिन संजय राउत जैसे लोग जोकि खुद करोड़ों के घोटाले के आरोप से जुड़े हैं और जेल काट चुके हैं, वह भारत के लोकतंत्र की शुचिता और जनमत की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। यहां एक सवाल यह भी उठता है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गयी बधाई विपक्ष को इतनी चुभ क्यों रही है?
साथ ही संजय राउत भारतीय लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी देखना चाहिए कि स्वयं अमेरिका में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर कितने गंभीर सवाल उठ चुके हैं। दुनिया ने देखा कि वर्ष 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। चुनावी धांधली के आरोपों को लेकर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद भवन कैपिटल हिल पर हमला तक कर दिया था, जिसे अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना गया। उस घटना में हिंसा हुई, कई लोग घायल हुए और पूरे विश्व ने अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था को संकट में देखा। इतना ही नहीं, ट्रंप लगातार अमेरिकी चुनाव प्रणाली, न्याय व्यवस्था और मीडिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते रहे हैं। ऐसे में भारतीय नेताओं द्वारा अमेरिका को सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र का प्रमाण पत्र बांटने वाला देश मान लेना अपने आप में कई प्रश्न खड़े करता है। भारत में चुनाव करोड़ों मतदाताओं की भागीदारी से शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होते हैं और सत्ता परिवर्तन भी संवैधानिक प्रक्रिया के तहत होता है। इसलिए विदेशी नेताओं से शिकायत करने से पहले विपक्ष को यह भी देखना चाहिए कि जिन देशों की ओर वह उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है, वहां स्वयं लोकतंत्र कितनी चुनौतियों से गुजर रहा है।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं।

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' के रूप में देख रहे हैं।
पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'बंगाली अस्मिता' और 'हिंदू पहचान' के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। 'वंदे मातरम्' का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।
पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि 'सांस्कृतिक सुरक्षा' स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान 'जय श्रीराम' जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।
इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल 'हिंदी बनाम बंगाली' के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।
पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को 'हिंदू पुनर्जागरण' कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरूआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में सेना की वापसी, तारिक रहमान सरकार ने लिया कानून-व्यवस्था पर बड़ा फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद अब काफी शांति है। देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति अब काफी तेजी से सामान्य हो रही है। इसी बीच सरकार ने मैदानी इलाकों में तैनात जवानों को वापस बुलाने का अहम फैसला लिया है। जल्द ही सभी सेना के जवानों को वापस उनकी बैरकों में सुरक्षित भेज दिया जाएगा। यह अहम फैसला मंगलवार को गृहमंत्री की अध्यक्षता में हुई कानून-व्यवस्था संबंधी कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूरे देश की वर्तमान स्थिति की बहुत ही गहनता से समीक्षा की गई। इसके बाद ही सेना को वापस बैरक में भेजने की इस पूरी योजना पर मुहर लगाई गई। अब इस फैसले के तहत छह जून से सेना की वापसी कई चरणों में होगी। सरकार की योजना के अनुसार सबसे पहले दूरदराज के जिलों से सैनिकों को धीरे-धीरे हटाया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से सभी डिविजनल शहरों और बड़े जिलों से सेना को पूरी तरह से हटा लिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि जून महीने के भीतर मैदान में तैनात सभी जवानों को वापस बुला लिया जाए। बांग्लादेश में जुलाई 2024 में हिंसक हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया था। इस दौरान पूरे देश में बहुत ज्यादा राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई थी जिससे हालात बेहद खराब हो गए थे। पुलिस बल की स्थिति भी उस समय काफी कमजोर थी इसलिए सेना ने कमान संभाली थी। देश में हुए इन बड़े राजनीतिक बदलावों और पुलिसबल की कमजोर स्थिति के कारण सेना को मोर्चे पर डटना पड़ा। जवानों को मजबूरी में काफी लंबे समय तक मैदान में अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा के साथ करनी पड़ी थी। अब हालात काबू में होने पर प्रशासन ने इस जिम्मेदारी को वापस पुलिस को सौंपने का मन बना लिया है। तारिक रहमान सरकार के इस बड़े फैसले से आम जनता में भी अब सुरक्षा को लेकर भारी विश्वास जगा है। सेना की वापसी इस बात का बहुत बड़ा और स्पष्ट संकेत है कि देश में अब सब कुछ सामान्य हो गया है। प्रशासन को पूरी उम्मीद है कि अब पुलिस भी बिना सेना के कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से सक्षम है।

चेम्मनी में सामूहिक कब्र से 250 कंकाल बरामद होने के बाद उठे सवाल, क्या है मौत का सच?

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में जाफना के पास चेम्मनी इलाके में एक कथित सामूहिक कब्र से लगातार नर कंकाल बाहर निकल रहे हैं। इस कब्रगाह की खुदाई के तीसरे चरण में अब तक 249 कंकालों को बाहर निकाला जा चुका है। एक मानवाधिकार मामलों के वकील ने इस बात की पूरी जानकारी मीडिया और अधिकारियों को विस्तार से दी है। श्रीलंका की एक अदालत ने पिछले हफ्ते चेम्मनी में इस सामूहिक कब्रगाह की खुदाई को फिर से शुरू करने का कड़ा आदेश दिया था। पैसों की भारी कमी के कारण इस कब्र की खुदाई का काम लगभग सात महीने पहले पूरी तरह से रोक दिया गया था। अब इस सख्त न्यायिक आदेश के बाद खुदाई का काम फिर से काफी तेज हो गया है। मानवाधिकार वकील रनीथा ज्ञानराजा के अनुसार मंगलवार तक इस तीसरे चरण की खुदाई में 9 और नए कंकाल बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि खुदाई के दौरान कुछ पुराने सिक्के और एक आभूषण जैसा दिखने वाला टुकड़ा भी जमीन से मिला है। इससे पहले दूसरे चरण की खुदाई भी काफी लंबे समय तक चली थी जिसमें बड़ी संख्या में मानव कंकाल बरामद हुए थे। दूसरे चरण की यह महत्वपूर्ण खुदाई 45 दिनों तक लगातार चली थी।

'ईरान पर हम हर स्थिति के लिए तैयार', इस्राइली पीएम नेतन्याहू बोले- ट्रंप से रोज हो रही बात

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान को लेकर अमेरिका की कूटनीतिक पहल से इस्राइल हैरान रह गया। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लगभग रोजाना बातचीत हो रही है और दोनों देशों के बीच हर स्तर पर पूरा समन्वय बना हुआ है। नेतन्याहू ने कहा कि हम अमेरिका में अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मैं लगभग हर दिन राष्ट्रपति ट्रंप से बात करता हूं। हमारी और उनकी टीम भी रोज बातचीत करती है। उन्होंने बताया कि देर रात ट्रंप के साथ उनकी फिर बातचीत तय है। इस्राइली प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान के मुद्दे पर उनका देश हर स्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका का साझा लक्ष्य ईरान के संवर्धित परमाणु सामग्री कार्यक्रम को समाप्त करना है। इस्राइली अधिकारियों ने हाल के दिनों में ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की संभावना का भी समर्थन किया है।

कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है अल्बर्टा : अक्टूबर में वोटिंग संभव, अलगाववादियों ने 3 लाख हस्ताक्षर जुटाए

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को अलग देश बनने की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। अलगाववादियों ने बुधवार को दावा किया है कि उन्होंने इतना समर्थन जुटा लिया है कि अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराया जा सकता है।

अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी। आंदोलन के नेता मिच सिलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है। हालांकि इतना समर्थन जुटा लेने का मतलब यह नहीं है कि रेफरेंडम पक्का हो गया है। चुनाव आयोग को पहले इन हस्ताक्षरों की जांच करनी होगी। इस प्रक्रिया पर फिलहाल अदालत के आदेश की वजह से रोक भी लगी हुई है। अगर वोटिंग अल्बर्टा के पक्ष में गई तो यह प्रांत कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है। अल जजीरा के मुताबिक, अगर सभी कानूनी अड़चनें दूर हो जाती हैं, तो प्रांत में 19 अक्टूबर को प्रस्तावित बड़े जनमत संग्रह के साथ अलगाव पर भी वोटिंग कराई जा सकती है। उसी दिन संविधान और इमिग्रेशन जैसे दूसरे मुद्दों पर भी मतदान की योजना है।

सर्वे में 30% लोग ही अलग देश के पक्ष में : अगर यह प्रस्ताव वोटिंग तक पहुंचता है, तो लोगों से सीधा सवाल पूछा जाएगा कि क्या अल्बर्टा कनाडा से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बनना चाहिए। लेकिन सर्वे बताते हैं कि अभी सिर्फ करीब 30 प्रतिशत लोग ही इसके समर्थन में हैं, यानी जनमत संग्रह पास होना भी आसान नहीं है। हालांकि अलगाववादियों का मानना है कि यह आंकड़ा वोटिंग के दौरान बढ़ने वाला है। अल्बर्टा की प्रीमियर डेनिएल स्मिथ ने कहा है कि अगर जरूरी हस्ताक्षर पूरे होते हैं तो वह वोटिंग आगे बढ़ाएंगी, लेकिन वह खुद कनाडा से अलग होने के पक्ष में नहीं हैं। इस अलगाववादी आंदोलन की जड़ें काफी पुरानी हैं। अल्बर्टा, जहां करीब 50 लाख लोग रहते हैं, लंबे समय से खुद को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग मानता है। यहां के लोग मानते हैं कि उनकी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति अलग है, लेकिन फैसले ओटावा में बैठकर लिए जाते हैं।

कनाडा से अलग क्यों होना चाहता है अल्बर्टा : कनाडा के अल्बर्टा में अलग देश बनने की मांग अचानक नहीं उठी है। इसके पीछे कई सालों से चल रही नाराजगी और अलग पहचान की भावना काम कर रही है। सबसे बड़ा कारण आर्थिक है। अल्बर्टा तेल और गैस से भरपूर राज्य है। यहां कनाडा के कुल तेल उत्पादन का लगभग 84% हिस्सा निकलता है। यहां के लोगों को लगता है कि वे ज्यादा कमाते हैं, लेकिन फायदा बाकी कनाडा को ज्यादा मिलता है। उन्हें शिकायत है कि टैक्स का पैसा ओटावा जाकर खर्च होता है, जबकि फैसले लेते समय उनकी आवाज कम सुनी जाती है। दूसरा बड़ा मुद्दा केंद्र सरकार से टकराव है। ओटावा में बैठी सरकार के फैसलों को लेकर अल्बर्टा में नाराजगी रहती है। खासकर पर्यावरण और जलवायु से जुड़े नियमों को लेकर। यहां के लोग मानते हैं कि ये नियम उनके तेल और गैस उद्योग को नुकसान पहुंचाते हैं और बिना समझे बनाए जाते हैं। तीसरा कारण पहचान और राजनीति है। अल्बर्टा को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग माना जाता है। यहां की राजनीति ज्यादा कंजर्वेटिव (रूढ़िवादी) है, जबकि केंद्र में लंबे समय से लिबरल विचारधारा हावी रही है। इसके अलावा यहां यह भी भावना है कि केंद्र सरकार उनके संसाधनों पर ज्यादा नियंत्रण रखती है। पाइपलाइन, ऊर्जा परियोजनाएं और निर्यात जैसे मुद्दों पर कई बार फैसले अटकते हैं, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ता है।

ट्रम्प सरकार पर अलगाववादियों को बढ़ावा देने का आरोप : इसी बीच ट्रम्प सरकार पर अलग देश की मांग कर रहे लोगों को बढ़ावा देने का आरोप है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका के अधिकारी अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिलते हैं और उनकी मदद करते हैं। इन खबरों से कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी नाराज हो गए थे। उन्होंने इसी साल फरवरी में राष्ट्रपति ट्रम्प को फोन कर कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा था। कार्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी सरकार कनाडा के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देगी। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प की सत्ता में वापसी को अलगाववादी अल्बर्टा को अलग करने के लिए सही समय मान रहे हैं। कुछ अलगाववादी अल्बर्टा को स्वतंत्र देश बनाने की बजाय अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात भी कर रहे हैं। फरवरी में कैलगरी और एडमॉन्टन के बीच हाईवे पर एक बिलबोर्ड भी लगा, जिसमें अल्बर्टा को ऋ में मिलाने की अपील की गई थी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बैसेंट ने भी हाल में कहा था कि अल्बर्टा अमेरिका का नेचुरल पार्टनर है और वहां के लोग बहुत स्वतंत्र सोच वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि अल्बर्टा के पास प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है।

पोप मुझसे खुश हों या नहीं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं रहेंगे: ट्रंप

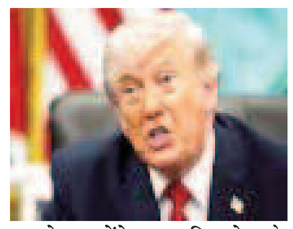

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च गुरु पोप लियो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीखी बयानबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल युद्ध पर गहरी चिंता जताते हुए पोप लियो ने इसे पूरी मानवता पर एक कलंक बताया था और तत्काल युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके इस बयान के बाद से वह ट्रंप की नजर में चढ़ गए। ट्रंप ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पोप तेहरान द्वारा परमाणु हथियार रखने की क्षमता का समर्थन कर रहे हैं, जबकि वॉशिंगटन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। इससे पहले मंगलवार को पोप लियो ने कहा था कि उन्होंने कभी परमाणु हथियारों का समर्थन नहीं किया और जो लोग उनकी आलोचना करते हैं उन्हें सच बोलना चाहिए। उन्होंने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति के उस टिप्पणी के जवाब में कही, जिसमें उन पर ईरान युद्ध पर अपने रुख से बहुत सारे कैथोलिकों को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। बुधवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब राष्ट्रपति से पूछा गया कि विदेश सचिव मार्को रुबियो पोप से कल मिलने वाले हैं। ऐसे में आप उन तक कौन सा संदेश पहुंचाने की उम्मीद रखते हैं। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि उनका ईरान पर रुख स्पष्ट है। मैं पोप को खुश करूं या न करूं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि पोप के बयानों से प्रतीत हुआ कि वह कह रहे थे कि ईरान परमाणु हथियार रख सकते हैं और मैं कहता हूं कि वे नहीं रख सकते। ट्रंप ने कहा कि पोप की संतुष्टि या असंतोष उनके फैसले को प्रभावित नहीं करेगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से वैश्विक स्थिरता को खतरा होगा। अगर ऐसा हुआ, तो पूरी दुनिया बंधक बन जाएगी, और हम इसे होने नहीं देंगे। मेरा केवल यही संदेश है। दरअसल मार्च में सेंट पीटर्स स्क्वायर में साप्ताहिक एंजेल्स प्रार्थना के दौरान पोप ने कहा था कि हम इतने लोगों के दुख के सामने खामोश नहीं रह सकते, खासकर उन बेबस लोगों के लिए, जो इन संघर्षों के शिकार हुए हैं। उनका दर्द पूरी मानवता का दर्द है। पोप लियो ने कहा कि दुनिया को सिर्फ चिंता जताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। अप्रैल में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान युद्ध पर पोप की आलोचनाओं के जवाब में पोप को अपराध के मामले में कमजोर और विदेश नीति में बेहद खराब बताया था।

अधिकार सुरक्षित रहे तो ईरान युद्ध खत्म करने को तैयार : राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि उनका देश अमेरिका और इजरायल के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ते अपनाने को तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान के अधिकारों की सुरक्षा पर भी जोर दिया है। ईरानी राष्ट्रपति के दफ्तर की वेबसाइट के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बुधवार (लोकल टाइम) को फोन पर बातचीत के दौरान पेजेश्कियन ने अमेरिका पर गहरा भरोसा नहीं दिखाया। उन्होंने हाल की दुश्मनी भरी कार्रवाइयों का जिक्र किया, जिसमें द्विपक्षीय बातचीत के दौरान ईरान पर दो हमले भी शामिल हैं। ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका की ओर से की गई इस कार्रवाई को ईरान की पीठ में छुरा घोंपना बताया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच यह फोन पर बातचीत तब हुई, जब एक्सियोस ने रिपोर्ट दी कि अमेरिका और ईरान लड़ाई खत्म करने के लिए एक पेज के मेमो पर काम कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि एक संभावित डील में ईरान न्यूक्लियर संवर्धन पर रोक लगाने का वादा करेगा और अमेरिकी प्रतिबंध हटाने पर सहमत होगा। डील के तहत दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट से ट्रांजिट पर लगी रोक हटा देंगे। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 40 दिनों की लड़ाई के बाद 8 अप्रैल को दो हफ्ते के लिए सीजफायर हुआ था। यह लड़ाई 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों से शुरू हुई थी। सीजफायर के बाद, ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शांति वार्ता की, लेकिन इस बातचीत का कोई हल नहीं निकला था। पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने लड़ाई खत्म करने के लिए कई प्रस्तावित प्लान शेयर किए हैं, जिनमें से सबसे नए प्लान का ईरान अभी समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा, ईरान ने कहा कि उसने अमेरिका के साथ कोई नया लिखित संदेश एक्सचेंज नहीं किया है। अर्ध सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने हाल की मीडिया रिपोर्ट्स को मनगढ़ंत बताया और कहा कि उन्हें जमीनी हालात दिखाने के बजाय ग्लोबल मार्केट पर असर डालने और तेल की कीमतें कम करने के लिए डिजाइन किया गया था।

अमेरिकी अदालत से भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले को बड़ी राहत; जासूसी कानून का मामला खारिज

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस के खिलाफ चल रहे जासूसी कानून से जुड़े मामले में अमेरिकी अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। वर्जीनिया की एक संघीय अदालत ने तकनीकी कानूनी आधार पर यह मामला खारिज कर दिया। अदालती आदेश में कहा गया कि याचिका स्वीकार की गई और मामला बिना किसी पूर्वाग्रह के खारिज किया गया। अमेरिका के वर्जीनिया स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज माइकल एस. नाचमैनॉफ ने 16 अप्रैल को टेलिस की याचिका स्वीकार करते हुए केस को खारिज करने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने गलत कानूनी प्रावधान के तहत आरोप लगाए थे।

क्या है मामला : टेलिस अमेरिका की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक मामलों के जाने-माने विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन पर आरोप था कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज अपने निजी घर में रखे थे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक टेलिस ने अमेरिकी विदेश विभाग और रक्षा तंत्र से जुड़े वरिष्ठ पदों पर काम करते हुए कई संवेदनशील दस्तावेज अपने पास रखे। सरकार की ओर से दायर आरोपपत्र में कहा गया था कि टेलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी 11 गोपनीय फाइलें अपने निजी निवास पर हार्ड कॉपी और डिजिटल फॉर्म में रखीं। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी उच्चस्तरीय पहुंच का फायदा उठाकर सुरक्षित सरकारी कार्यस्थलों से राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी बाहर निकाली और उसे निजी तौर पर संग्रहीत किया। हालांकि टेलिस की कानूनी टीम ने अदालत में दलील दी कि सरकार ने जासूसी अधिनियम की गलत धारा के तहत मामला दर्ज किया। उनके वकीलों का कहना था कि जिस धारा 793(द्) के तहत उन पर आरोप लगाए गए, वह केवल उन लोगों पर लागू होता है, जिनके पास गोपनीय दस्तावेज अनधिकृत रूप से हों। जबकि सरकार खुद मान रही थी कि टेलिस के पास उच्च स्तरीय सुरक्षा मंजूरी थी और उन्हें इन दस्तावेजों तक अधिकृत पहुंच प्राप्त थी। बचाव पक्ष ने अदालत से कहा कि टेलिस को संबंधित दस्तावेज आधिकारिक रूप से सौंपे गए थे, इसलिए उन्हें अवैध कब्जा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। वकीलों ने यह भी तर्क दिया कि सरकार ने उन पर गोपनीय जानकारी लीक करने या अपनी मंजूरी से बाहर जाकर दस्तावेज हासिल करने का आरोप भी नहीं लगाया। कानूनी टीम ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष चाहे तो जासूसी कानून की दूसरी धारा 793(स्र) या धारा 1924 के तहत मामला दर्ज कर सकता था, जो सरकारी कर्मचारियों द्वारा गोपनीय दस्तावेज हटाने और रखने से संबंधित है।

होर्मुज संकट पर सक्रिय हुआ फ्रांस, राष्ट्रपति मैक्रों ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात, स्ट्रेट को तत्काल खोलने का आग्रह

पेरिस, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ बातचीत के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सभी पक्षों से होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी को बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के हटाने का आह्वान किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बात की है। मैंने बढ़ते तनाव पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की और यूएई के नागरिक बुनियादी ढांचे व कई जहाजों पर किए गए अनुचित हमलों की निंदा की।' उन्होंने लिखा, 'सभी पक्षों को स्ट्रेट से बिना देरी और बिना किसी शर्त के हटा देना चाहिए। हमें स्थायी रूप से उस व्यवस्था को बहाल करना होगा, जिसमें संघर्ष से

पहले नौवहन की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित थी। फ्रांस और ब्रिटेन का बनाया बहुराष्ट्रीय मिशन जहाज मालिकों और बीमा कंपनियों के बीच भरोसा वापस लाने में मदद कर सकता है। यह मिशन स्वाभाविक रूप से युद्ध में शामिल पक्षों से अलग होगा। एयरक्राफ्ट कैरियर 'चार्ल्स डी गॉल' का आगे तैनात होना इस मामले में फिट बैठता है। राष्ट्रपति मैक्रों ने पोस्ट किया, 'हाल की घटनाओं से ऐसे मिशन की उपयोगिता साफ तौर पर पता चलती है। मैंने ईरानी राष्ट्रपति से इस मौके का फायदा उठाने की गुजारिश की है और मैं इस मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप से भी बातचीत करने वाला हूं। स्ट्रेट में शांति की बहाली परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मुद्दों और क्षेत्रीय स्थिति पर चल रही वार्ताओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। प्रतिबंध हटाने में जिन यूरोपीय देशों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वे इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। राष्ट्रपति मैक्रों और ईरानी राष्ट्रपति के बीच यह वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब 'एक्सियोस' की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते के करीब पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संभावित समझौते में ईरान परमाणु संवर्धन पर रोक लगाने के लिए सहमत हो सकता है, जबकि अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर राजी हो सकता है। साथ ही दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट आवाजाही पर लगी पाबंदियां हटाएंगे। बता दें कि ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 8 अप्रैल को युद्धविराम हुआ था। इससे पहले 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद 40 दिनों तक संघर्ष चला था। युद्धविराम के बाद ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान में शांति वार्ता का एक दौर आयोजित किया, पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने युद्ध समाप्त करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है।

त्वचा गोरी करने वाले उत्पाद सेहत के लिए बेहद खतरनाक, WHO बोला- खपत रोकने के लिए बदलनी होगी सोच

जिनेवा, एजेंसी। त्वचा को गोरा करने वाले उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल और उनसे जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को अब सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा है। संगठन ने पारा युक्त स्किन-लाइटनिंग उत्पादों के खिलाफ नया व्यवहारिक नजरिया टूलकिट जारी किया है, जिसका उद्देश्य केवल इन की बिक्री रोकना ही नहीं बल्कि लोगों में इनके प्रति बढ़ती मानसिक और सामाजिक स्वीकार्यता को चुनौती देना है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ऐसे उत्पाद लंबे समय में दिमागी नुकसान, हार्मोन संबंधी गड़बड़ियां, गर्भस्थ शिशुओं पर असर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार समस्या केवल अवैध या जहरीले उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सोच से भी जुड़ी है जिसमें गोरी त्वचा को सुंदरता, सफलता और आत्मविश्वास का प्रतीक मान लिया गया है। यही कारण है कि अब वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियां केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय लोगों के व्यवहार, विज्ञापनों के प्रभाव और सामाजिक दबाव को समझकर मांग कम करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। सोशल मीडिया, फिल्म उद्योग और ब्यूटी विज्ञापनों ने इस बाजार को नई गति दी है, जहां गोरी त्वचा को आकर्षण और सफलता से जोड़कर पेश किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में युवा इन उत्पादों को आत्मविश्वास बढ़ाने या सामाजिक स्वीकार्यता पाने के साधन के रूप में

देखने लगे हैं। यही वजह है कि चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद इनकी मांग कम नहीं हो रही। पारा का असर शरीर से लेकर पर्यावरण तक डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई स्किन-लाइटनिंग क्रीम और लोशन में पारा का इस्तेमाल किया जाता है। पारा एक जहरीली धातु है, जो शरीर में जमा होकर तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे याददाश्त, मानसिक विकास और दिमागी कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के मामले में इसका असर गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है, जिससे बच्चे के विकास पर खतरा बढ़ जाता है। उनके लगातार प्रयोग से त्वचा में जल्दी झुर्रियां पड़ जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन उत्पादों के रसायन पानी के जरिये बाहर निकलते हैं तो मिट्टी और जल स्रोत भी प्रदूषित होते हैं। इससे पर्यावरण और जलीय जीवन पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है। केवल प्रतिबंध नहीं सोच बदलने पर जोर डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कई देशों ने पहले भी पारा युक्त उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन केवल कानून से समस्या खत्म नहीं हुई। इसी वजह से संगठन ने नया व्यवहारिक टूलकिट तैयार किया है। इसके जरिये यह समझने की कोशिश की जाएगी कि लोग ऐसे उत्पादों तक कैसे पहुंचते हैं, कौन-सी चीजें उन्हें प्रभावित करती हैं।

नेपाल सरकार ने भारतीय वाहनों के लिए शुरू की नई ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सेवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भारत से सड़क मार्ग से आने वाले पर्यटकों के लिए एक बहुत ही शानदार सुविधा की शुरुआत की है। अब भारतीय वाहन आसानी से नेपाल जा सकते हैं और इस नई व्यवस्था के तहत पर्यटकों को सीमा पर घंटों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार ने कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर विदेशी पर्यटकों के वाहनों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की शुरुआत कर दी है। इस महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवा का उद्घाटन बुधवार 6 मई 2026 को नेपाल के वित्त मंत्री डॉ स्वर्णिम वाग्ले ने किया है। यह नई व्यवस्था पर्यटकों की यात्रा को बहुत ही आसान और सुखद बनाएगी। अब पर्यटक अपने घर बैठे ही अपने वाहनों का सारा विवरण कस्टम विभाग की वेबसाइट पर आसानी से भर सकते हैं। इसके साथ ही वे अपना टैक्स भी पूरी तरह से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। नेपाल सीमा पर जाम से मिलेगी राहत पहले भारतीय पर्यटकों को अपने वाहनों की अस्थायी अनुमति लेने के लिए कस्टम नाके पर घंटों कतार में खड़ा होना पड़ता था। इससे यात्रियों को भारी परेशानी होती थी और सीमा क्षेत्रों में हमेशा भयंकर ट्रैफिक जाम रहता था। अब इस नई ऑनलाइन प्रणाली के लागू होने से पर्यटकों को काफी बड़ी राहत मिल गई है। अगर नेपाल यात्रा के दौरान आपके परमिट की तय समय सीमा समाप्त हो जाती है तो कस्टम ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने होंगे। नई ऑनलाइन सेवा से पर्यटक नेपाल के अंदर से ही अपने वाहन पास को आसानी से रिन्यू कर सकते हैं। वे बिना किसी बाधा के अपना सारा भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से कर सकते हैं। इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने के लिए पर्यटकों को कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी जरूरी जानकारी भरनी होगी। वहां 'हमारी सेवाएं' सेक्शन के अंदर 'अस्थायी

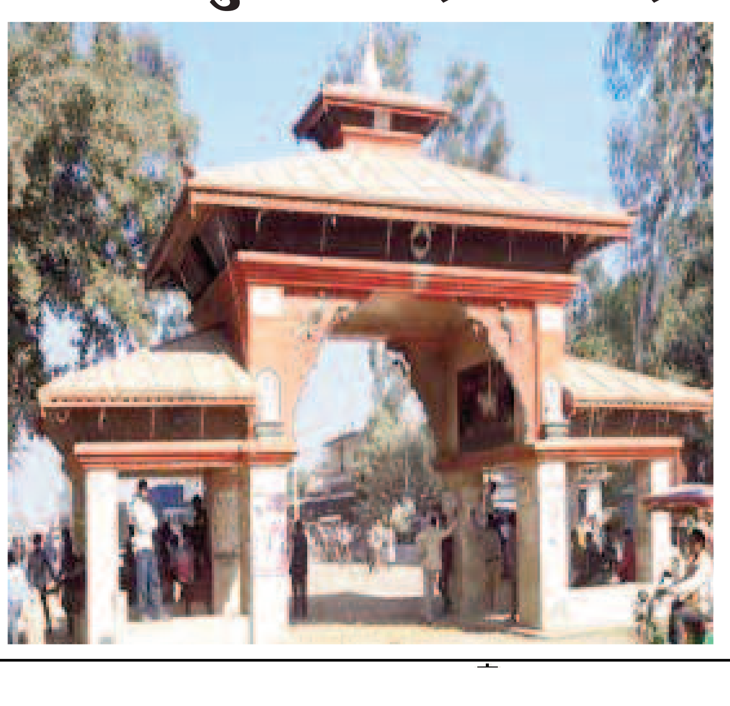

वाहन आयात' का विकल्प चुनना होगा। सारी जानकारी सही-सही भरने के बाद पर्यटकों को एक विशेष क्यूआर कोड प्राप्त हो जाएगा।

क्यूआर कोड दिखाना अनिवार्य होगा टैक्स का भुगतान ऑनलाइन या सीधे बैंक काउंटर के जरिए बहुत ही आसानी से किया जा सकता है। नेपाल में एंट्री करते वक्त और यात्रा के दौरान सुरक्षा जांच में इसी क्यूआर कोड को दिखाना पूरी तरह अनिवार्य किया गया है। यह पूरी व्यवस्था अब डिजिटल, पारदर्शी और काफी अधिक प्रभावी बन चुकी है। वर्तमान में इस सेवा का सबसे अधिक लाभ भारत और बांग्लादेश से आने वाले पर्यटकों को मिलने की पूरी उम्मीद जताई गई है। भविष्य में चीन के रास्ते आने वाले वाहनों के लिए भी यह खास सुविधा शुरू की जाएगी। यह पहल नेपाल के पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने में मदद करेगी।

फरवरी महीने से जायद की फसलों की बुवाई का समय शुरू है। इन फसलों की बुवाई मार्च तक चलती है। इस समय बोने पर ये फसलें अच्छी पैदावार देती हैं। इस मौसम में खीरा, ककड़ी, करेला, लौकी, तोरई, पेठा, पालक, फूलगोभी, बैंगन, भिण्डी, अरबी जैसी सब्ज़ियों की बुवाई करनी चाहिए।

गर्मियों में उगाए सब्जियां होगा भरपूर फायदा

खीरा

खीरे की खेती के लिए खेत में क्यारियां बनाएं। इसकी बुवाई लाइन में ही करें। लाइन से लाइन की दूरी 1.5 मीटर रखें और पौधे से पौधे की दूरी 1 मीटर। बुवाई के बाद 20 से 25 दिन बाद निराई - गुड़ाई करना चाहिए। खेत में सफाई रखें और तापमान बढ़ने पर हर सप्ताह हल्की सिंचाई करें। खेत से खरपतवार हटाते रहें।

ककड़ी

ककड़ी की बुवाई के लिए एक उपयुक्त समय फरवरी से मार्च ही होता है लेकिन अगेती फसल लेने के लिए पॉलीथीन की थैलियों में बीज भरकर उसकी रोपाई जनवरी में भी की जा सकती है। इसके लिए एक एकड़ भूमि में एक किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। इसे लगभग हर तरह की ज़मीन में उगाया जा सकता है। भूमि की तैयारी के समय गोबर की खाद डालें व खेत की तीन से चार बार जुताई करके सुहागा लगाएं। ककड़ी की बीजाई 2 मीटर चौड़ी क्यारियों में नाली के किनारों पर करनी चाहिए। पौधे से पौधे का अंतर 60 सेंटीमीटर रखें। एक जगह पर दो - तीन बीज बोएं। बाद में एक स्थान पर एक ही पौधा रखें।

करेला

हल्की दोमट मिट्टी करेले की खेती के लिए अच्छी होती है। करेले की बुवाई दो तरीके से की जाती है - बीज से और पौधे से। करेले की खेती के लिए 2 से 3 बीज 2.5 से 5 मीटर की दूरी पर बोने चाहिए। बीज को बोने से पहले 24 घंटे तक पानी में भिगो लेना चाहिए इससे अंकुरण जल्दी और अच्छा होता है। नदियों के किनारे की ज़मीन करेले की खेती के लिए बढ़िया रहती है। कुछ अम्लीय भूमि में इसकी खेती की जा सकती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद दो - तीन बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं।

लौकी

लौकी की खेती कर तरह की मिट्टी में हो जाती है लेकिन दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे अच्छी होती है। लौकी की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 4.5 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बीज को खेत में बोने से पहले 24 घंटे पानी में भिगोने के बाद टाट में बांध कर 24 घंटे रखें। करेले की तरह लौकी में भी ऐसा करने से बीजों का अंकुरण जल्दी होता है। लौकी के बीजों के लिए 2.5 से 3.5 मीटर की दूरी पर 50 सेंटीमीटर चौड़ी व 20 से 25 सेंटीमीटर गहरी नालियां बनानी चाहिए। इन नालियों के दोनों किनारे पर गरमी में 60 से 75 सेंटीमीटर के फासले पर बीजों की बुवाई करनी चाहिए। एक जगह पर 2 से 3 बीज 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं।

भिंडी

भिंडी की अगेती किस्म की बुवाई फरवरी से मार्च के बीच करते हैं। इसकी खेती हर तरह की मिट्टी में हो जाती है। भिंडी की खेती के लिए खेत को दो-तीन बार जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा कर लेना चाहिए और फिर पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए। बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सेमी और कतार में पौधे की बीच की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद पहली निराई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण के लिए रासायनिक का भी प्रयोग किया जा सकता है।

तोरई

हल्की दोमट मिट्टी तोरई की सफल खेती के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। नदियों के किनारे वाली भूमि इसकी खेती के लिए अच्छी रहती है। इसकी बुवाई से पहले, पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद 2 से 3 बार बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं। खेत कि तैयारी में मिट्टी भुरभुरी हो जानी चाहिए। तोरई में निराई ज़्यादा करनी पड़ती है। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 1 से 1.20 मीटर और पौधे से पौधे की दूरी एक मीटर होनी चाहिए। एक जगह पर 2 बीज बोने चाहिए। बीज को ज़्यादा गहराई में न लगाएं इससे अंकुरण पर फर्क पड़ता है। एक हेक्टेयर ज़मीन में 4 से 5 किलोग्राम बीज लगता है।

अरबी

अरबी की खेती के लिए रेतीली दोमट मिट्टी अच्छी रहती है। इसके लिए ज़मीन गहरी होनी चाहिए। जिससे इसके कंदों का समुचित विकास हो सके। अरबी की खेती के लिए समतल क्यारियां बनाएं। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 45 सेमी. व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी होनी चाहिए। इसकी गांठों को 6 से 7 सेंटीमीटर की गहराई पर बो दें।

पालक

पालक के लिए बलुई दोमट या मटियार मिट्टी अच्छी होती है लेकिन ध्यान रहे अम्लीय ज़मीन में पालक की खेती नहीं होती है। भूमि की तैयारी के लिए मिट्टी को पलेवा करके जब वह जुताई योग्य हो जाए तब मिट्टी पलटने वाले हल से एक जुताई करना चाहिए, इसके बाद 2 या 3 बार हैरो या कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी को भुरभुरा बना लेना चाहिए। साथ ही पाटा चलाकर भूमि को समतल करें। पालक की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 25 से 30 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बुवाई के लिए कतार से कतार की दूरी 20 से 25 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखना चाहिए। पालक के बीज को 2 से 3 सेन्टीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए, इससे अधिक गहरी बुवाई नहीं करनी चाहिए।

बैंगन

इसकी नर्सरी फरवरी में तैयार की जाती है और बुवाई अप्रैल में की जाती है। बैंगन की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। नर्सरी में पौधे तैयार होने के बाद दूसरा महत्वपूर्ण कार्य होता है खेत को तैयार करना। मिट्टी परीक्षण करने के बाद खेत में एक हेक्टेयर के लिए 4 से 5 ट्रॉली पक्का हुआ गोबर का खाद् बिखेर दे। बैंगन की खेती के लिए दो पौधों और दो कतार के बीच की दूरी 60 सेंटीमीटर होनी ही चाहिए।

पेठा

पेठा कद्दू की खेती के लिए दोमट व बलुई दोमट मिट्टी सब से अच्छी मानी जाती है। इसके अलावा यह कम अम्लीय मिट्टी में आसानी से उगाया जा सकता है। पेठा की बुवाई से पहले खेतों की अच्छी तरह से जुताई कर के मिट्टी को भुरभुरी बना लेना चाहिए और 2-3 बार कल्टीवेटर से जुताई कर के पाटा लगाना चाहिए। इसके लिए एक हेक्टेयर में 7 से 8 किग्रा बीज की ज़रूरत होती है। इसकी बुवाई के लिए लगभग 15 हाथ लंबा का एक सीधा लकड़ी का डंडा ले लेते हैं, इस डंडे में दो-दो हाथ की दूरी पर फीता बांधकर निशान बना लेते हैं जिससे लाइन टेढ़ी न बने। दो हाथ की दूरी पर लम्बाई और चौड़ाई के अंतर पर गोबर की खाद का सीधे लाइन में गोबर की खाद घुरवा बनाते हैं जिसमे पेठे के सात से आठ बीजे गाड़ देते हैं अगर सभी जम गए तो बाद में तीन चार पौधे छोड़कर सब उखाड़ कर फेंक दिए जाते हैं।

एक नजर

उपजिला चिकित्सालय में आधुनिक दूरबीन विधि से शुरू हुई सर्जरी

श्रीनगर गढ़वाल : उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर में अब साइनस रोग से परेशान मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। अस्पताल में शुक्रवार से साइनस की आधुनिक दूरबीन विधि से सर्जरी शुरू हो गई है। पहले ही दिन दो मरीजों का सफल ऑपरेशन किया गया। इससे पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिले के मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. दिगपाल दत्त ने बताया कि पहले मरीजों को इस ऑपरेशन के लिए अन्य बड़े अस्पतालों में जाना पड़ता था। अब स्थानीय स्तर पर ही बेहतर इलाज उपलब्ध हो सकेगा। डॉ. दत्त ने बताया कि अस्पताल में पहले से ही कान के पर्दे में छेद, नाक की टेढ़ी हड्डी और आंखों से लगातार पानी आने जैसी समस्याओं के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। अब तक करीब 200 सफल सर्जरी की जा चुकी हैं। साइनस सर्जरी शुरू होना अस्पताल के लिए एक नई उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को दो साइनस मरीजों का सफल ऑपरेशन किया गया, जिसके बाद मरीजों और उनके परिजनों में खुशी का माहौल है। (एजेंसी)

पीड़ित युवक को उचित मुआवजा देने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : डेढ़ साल पहले डुंगरीपंथ में रेलवे साइट पर काम के दौरान ऋत्विक कंपनी में कार्यरत एक युवक के पैर में रोलर चढ़ाए जाने के मामले पर स्थानीय युवक कंपनी के अधिकारियों से मिले। इस दौरान उन्होंने पीड़ित युवक को उचित मुआवजा व उपचार का खर्चा देने की मांग की। मौके पर मौजूद भाजयुमो के पूर्व प्रदेश मंत्री डॉ. सुधीर जोशी, भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष यशीष रावत, पार्षद प्रदीप रावत, शुभम गोस्वामी, सौरभ गोदियाल, राजेंद्र तड़ियाल, विनोद कोहली, हिमांशु पंवार, सौरभ जग्गी आदि ने कर्मचारियों के साथ कंपनी की ओर से की जा रही मनमानी पर भी विरोध जताया। डॉ. सुधीर जोशी ने बताया कि कंपनी से पीड़ित युवक को पूरा इलाज का खर्चा व मुआवजा दिए जाने की मांग की गई है। यदि मांग पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो उन्हें 12 मई को काम बंद कराने के लिए विवश होना पड़ेगा। (एजेंसी)

स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची फरासू गांव

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के फरासू में पीलिया का खतरा अभी टला नहीं है। शुक्रवार को भी फरासू से दो लोग बेस चिकित्सालय पहुंचे जिनमें उल्टी और सिरदर्द जैसे लक्षण पाए गए। हालांकि चिकित्सकों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पौड़ी सीएमओ कार्यालय और श्रीनगर से आठ सदस्यीय स्वास्थ्य टीम फरासू पहुंची। टीम ने गांव में घर-घर जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और पेयजल स्रोतों की जांच की। इस दौरान पानी के सैंपल भी एकत्र किए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम में शिवांगी, डॉ. अंकुर, डॉ. अनूजा, दीक्षा, सरिता, सीमा और कैलाश समेत एनएम, फार्मासिस्ट और क्षेत्रीय आशा कार्यकर्ता शामिल रहे। टीम सदस्य शिवांगी ने बताया कि गांव पहुंचकर करीब 15 लोगों से बातचीत की गई और उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें वे लोग भी शामिल थे जो अस्पताल से उपचार के बाद वापस गांव पहुंचे हैं। जरूरतमंदों को दवाइयां देने के साथ ही संक्रमण से बचाव के तरीके भी बताए गए। उन्होंने बताया कि जल संस्थान के जेई से भी बातचीत की गई है और पानी की स्क्रीनिंग कर सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। साथ ही जल संस्थान को कलियासौड़ तक पूरी पाइप लाइन की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। टीम ने पाया कि टैंक में क्लोरीन मिलाने के बाद सप्लाई शुरू कर दी गई है, लेकिन इसके बावजूद पानी पूरी तरह साफ नहीं दिख रहा है। बेस चिकित्सालय की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता गिरी ने बताया कि फरासू से लगातार मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। बच्चों में पीलिया के लक्षण तेजी से सामने आ रहे हैं और मरीजों की संख्या पहले की तुलना में बढ़ी है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को केवल उबला हुआ पानी पिलाने, बाहर का खाना बंद करने और कमजोरी, उल्टी, बुखार या आंखों में पीलापन जैसे लक्षण दिखते ही तुरंत अस्पताल पहुंचने की अपील की है। (एजेंसी)

बाल कल्याण समिति ने देवलधार आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया

नई टिहरी। जिला बाल कल्याण समिति ने राजीव गांधी आवासीय नवोदय विद्यालय देवलधार का निरीक्षण किया। समिति ने विद्यालय में एक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र–छात्राओं को कई अहम जानकारी देते हुए सचेत रहने और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। आवासीय नवोदय विद्यालय में वक्ताओं ने कहा कि जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में भिक्षा वृत्ति,बाल श्रम और बाल विवाह जैसी कुरीतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति सचेत करना है। जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ऋषि कुमार ने छात्रों को समिति की कार्यप्रणाली और बाल अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि बाल विवाह करना दंडनीय अपराध है। बाल विवाह बच्चों के भविष्य को भी प्रभावित करता है। बच्चों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान जंगल में स्थित आवासीय विद्यालय में सुरक्षा दीवार लगाने को कहा गया। बताया गया कि दीवार नहीं होने के कारण वहां अक्सर जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए विद्यालय परिसर में सुरक्षा दीवार और प्रवेश द्वार बनाना जरूरी है। समिति के सदस्य राजेंद्र गुसाईं ने कहा कि समिति बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और पुनर्वास से जुड़े मामलों का निस्तारण करने का हर संभव प्रयास करती है। छात्रों को चाइल्ड हेल्प लाइन टोल फ्री नंबर 1098 के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य आनंदपाल सिंह नेगी समिति को दिए ज्ञापन में विद्यालय परिसर में प्रवेश द्वार बनाने, बाउंड्री वॉल बनाने, इलेक्ट्रिक फेंसिंग, बच्चों को विद्यालय से हॉस्टल आवागमन के लिए टीनसेड बनाने की मांग की।

बीएसएफ जवान बलवीर सिंह पुंडीर का हृदयाघात से निधन

टिहरी । भिलंगना ब्लॉक के ग्राम श्रीकोट बेलेश्वर निवासी बीएसएफ जवान बलवीर सिंह पुंडीर (58 वर्ष)पुत्र चंदन सिंह का हृदयाघात होने से निधन हो गया। जवान के असामयिक निधन पर परिवार में मातम पसर गया। क्षेत्र से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने जवान को अंतिम विदाई दी। श्रीकोट–बेलेश्वर गांव के प्रधान दिनेश सिंह रावत ने बताया कि बलवीर सिंह पुंडीर बीएसएफ में कार्यरत थे और उनकी तैनाती इस समय गुवाहाटी असम में थी। ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उनकी मृत्यु हृदयाघात से हुई है। शुक्रवार को जवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव श्रीकोट बेलेश्वर पहुंचा। जैसे ही पार्थिव शरीर गांव पहुंचा पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल छा गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और शुभचिंतक अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे और नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके बाद उनके पैतृक घाट पर पूरे सैन्य सम्मान के साथ बीएसएफ जवान का अंतिम संस्कार किया गया।

प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, कांग्रेस ने फूंका पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रदेश में लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था व महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचार पर कांग्रेस ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार व्यवस्था सुधारने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। इस दौरान कांग्रेस ने मुख्यमंत्री का भी पुतला दहन किया। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए झंडाचौक के समीप एकत्रित हुए। यहां उन्होंने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो चुकी है। आए दिन महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं सामने आ रही हैं। वक्ताओं ने कहा कि चंपावत की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। मांग की गई कि मामले की निष्पक्ष व त्वरित जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाए। कहा कि महिलाओं की सुरक्षा व न्याय के मुद्दे पर सरकार को संवेदनशील व जवाबदेह होना चाहिए। कांग्रेसियों ने सतपुली में अनुसूचित जाति के युवक की आत्महत्या की घटना को भी निंदनीय बताया। कहा कि युवक का आत्महत्या करना व्यवस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह है। क्षेत्र में गैस वितरण में लगातार आ रही अव्यवस्था को गंभीर बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि अव्यवस्था के कारण महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल साबित हुई है। कहा कि कांग्रेस सदैव जन हितों को लेकर संघर्ष करती रहेगी। पुतला दहन करने वालों में महानगर अध्यक्ष मीना बछवाण, पूर्व अध्यक्ष संजय मित्तल, महानगर कांग्रेस महिला अध्यक्ष सुधा असवाल, प्रवीन रावत, प्रदेश सचिव गणेश नेगी, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, विजय नारायण सिंह, साबर सिंह नेगी, सुदर्शन रावत, होशियार सिंह बिष्ट सहित तमाम कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

कोटद्वार के झंडा चौक पर मुख्यमंत्री का पुतला दहन करते के लिए एकत्र हुए कांग्रेसजन

वन विभाग की टीम ने किया बामठी में आदमखोर गुलदार को ढेर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय से सटे गुलदार प्रभावित बमठी गांव में आखिरकार वन विभाग की टीम ने गुलदार को ढेर कर दिया है। गुलदार की दहशत में जी रहे ग्रामीणों ने अब राहत की सांस ली है। बता दें विगत 23 अप्रैल को बामठी गांव में घर के समीप खेत में घास काट रही 70 वर्षीय सीता देवी को गुलदार ने मार डाला था। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत बनीं हुई थी। ग्रामीणों ने गांव के आस पास दो गुलदार सक्रिय होने का दावा किया था। साथ ही ग्रामीणों ने विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की थी। ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश और सुरक्षा की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया। शिकारी जॉय हुकिल, विभागीय शूटरों और करीब 20 वन कर्मियों की टीम को गांव और आसपास के जंगलों में तैनात किया गया था। बीते 23 अप्रैल से क्षेत्र की लगातार निगरानी, गश्त और ट्रैकिंग के बाद बीते गुरूवार देर रात एक गुलदार को शूट कर दिया गया। गढ़वाल प्रभाग के डीएफओ महातिम यादव ने बताया कि मारा गया गुलदार नर है, जिसकी उम्र करीब 7 से 8 वर्ष है। उसके एक पैर में चोट के निशान भी मिले हैं। गुलदार के शव का पशु चिकित्सकों की टीम ने पोस्टमार्टम किया। बताया कि ग्रामीणों की आशंका को देखते हुए वन विभाग ने क्षेत्र में सतर्कता यथावत रखी है। इससे पूर्व बीते रविवार 3 मई को विभाग ने एक मादा गुलदार को पिंजरे में कैद किया था। (एजेंसी)

प्रशासन ने अगस्त्यमुनि में नाबालिग की सगाई रुकवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : अगस्त्यमुनि क्षेत्र में एक बार फिर बाल विवाह का मामला सामने आया, जहां प्रशासन और संबंधित विभागों की तत्परता से समय रहते कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग बालिका का भविष्य सुरक्षित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 मई 2026 की रात लगभग 8 बजे चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर बाल विवाह की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र के निर्देशन में गठित टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

टीम में चाइल्ड हेल्पलाइन, बाल कल्याण समिति तथा पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल रहे। शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे टीम डांगी पठालीधार गांव पहुंची, जहां एक नाबालिग बालिका की सगाई क्यार्क बरसूड़ी में होने जा रही थी। मौके पर पहुंचकर अधिकारियों ने वर एवं वधु पक्ष को बाल विवाह निषेध कानून की जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है और इसमें दोनों पक्ष कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं। समझाइश और काउंसलिंग के बाद दोनों पक्षों ने सहमति जताई कि बालिका के 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही उसकी सगाई एवं विवाह किया जाएगा। फिलहाल सगाई को रोक दिया गया है। इस कार्रवाई में चाइल्ड हेल्पलाइन की काउंसलर पूजा भंडारी, केस वर्कर अखिलेश सिंह, जिला बाल कल्याण समिति की गीता मलासी, पुलिस विभाग से चैकी इंचार्ज भोपाल सिंह तथा कांस्टेबल विनय कोठारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दी उनके अधिकारों की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आदर्श विद्या निकेतन के हल्दूखाता में चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं जिला बाल कल्याण समिति की ओर से जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में 300 से अधिक विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को उनके अधिकारों की जानकारी दी गई।

कार्यशाला में वक्ताओं ने बाल विवाह, बच्चों के अधिकार, पॉक्सो अधिनियम-2012, किशोर न्याय अधिनियम, साइबर सुरक्षा और शिक्षा के महत्व पर जानकारी दी। बच्चों को सामाजिक चुनौतियों के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित किया गया। जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य कपिल रतूड़ी ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। अधिवक्ता मयंक थपलियाल ने विद्यार्थियों को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। जिला बाल संरक्षण इकाई के सूरज कुमार ने विभागीय योजनाओं की जानकारी साझा की, जबकि शकुंतला नयाल ने संकट की स्थिति में 1098 हेल्पलाइन से सहायता लेने की प्रक्रिया बताई। इस दौरान नवीन सकलानी ने साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर जानकारी दी। वहीं दीपक पांडे ने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्य वंदना कुकरेती ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए विद्यार्थियों से जागरूकता का संदेश समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया।

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

मुख्यमंत्री ने श्री केदारनाथ धाम में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड अस्पताल का किया लोकार्पण

देवभूमि के शिखर पर स्वास्थ्य का नया अध्याय की भावना से संचालित होगा अस्पताल

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को श्री केदारनाथ धाम में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड हॉस्पिटल का विधिवत लोकार्पण किया। यह अस्पताल स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी द्वारा संचालित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार श्री केदारनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस उच्च हिमालयी क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त अस्पताल का संचालन स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह अस्पताल यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा श्री केदारनाथ धाम यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। यात्रा मार्ग पर चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, स्वास्थ्य जांच केंद्रों, ऑक्सीजन सुविधाओं एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर विधायक केदारनाथ श्रीमती आशा नौटियाल, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय खन्ना, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी, विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक दिनेश चंद्र, बद्री केदार मंदिर समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, बद्री केदार उपाध्यक्ष विजय कप्रवान, श्री केदार सभा के अध्यक्ष पं. राजकुमार तिवारी, ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य अमित मेंखडी, महा मंत्री अकिंत सेमवाल, संजय तिवारी, जिला पंचायत सदस्य सुबोध बगवाड़ी, केशव बहुगुणा, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक निहारिक तोमर, उप जिलाधिकारी कृष्णा त्रिपाठी, कर्नल अजय कोटियाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं सुधारीकरण की दिशा में निरंतर कार्यरत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार स्वस्थ उत्तराखंड समृद्ध उत्तराखंड के सपने को साकार करने के लिए प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं सुधारीकरण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयुष्मान योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 61 लाख आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं जिसके माध्यम से आज प्रदेश के अंदर लाखों मरीजों को निःशुल्क उपचार मिल रहा है। इसके साथ ही राज्य के प्रत्येक जनपद में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा केदार के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना भी की।

सचिव ने छात्रों को अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : सचिव संस्कृत शिक्षा उत्तराखंड दीपक कुमार ने श्री 1008 स्वामी सच्चिदानंद सरस्वती संस्कृत महाविद्यालय, मण्डल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। महाविद्यालय की आचार्या श्रीमती मंगला पुरोहित ने उन्हें देवभूमि गजेटियर पुस्तक भेंट कर स्वागत किया।

निरीक्षण के दौरान सचिव संस्कृत शिक्षा ने विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से विषयगत पाठ्यचर्चा करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन एवं अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को संस्कृत संस्थान उत्तराखंड द्वारा संचालित गार्गी छात्रवृत्ति एवं अम्बेडकर छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिकाधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। साथ ही विद्यार्थियों को संस्कृत शिक्षा के साथ गणित एवं विज्ञान विषयों के अध्ययन के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस दौरान सचिव ने महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक हरिप्रसाद सती का सम्मान किया तथा अध्यापकों को दैनिक समाचार वाचन एवं गीता शिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने महाविद्यालय परिसर, छात्रावास एवं अनन्त अम्बानी पुस्तकालय का निरीक्षण किया। पुस्तकालय समन्वयक कृष्णानन्द पंत ने उन्हें पुस्तकालय में संरक्षित पाण्डुलिपियों की जानकारी दी। छात्रावास निरीक्षण के दौरान सचिव ने बेहतर रखरखाव एवं विद्यार्थियों को नवाचार और आधुनिक ज्ञान से जोड़ने पर बल दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य भोला दत्त सती ने सचिव द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का अक्षरशः पालन करने का आश्वासन दिया। सहायक निदेशक संस्कृत शिक्षा जनपद चमोली एमआर मैंदुली ने भी विद्यालय/महाविद्यालय का सघन निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जनार्दन प्रसाद नोटियाल, कृष्णानन्द पंत, रमेश सती, श्री बदरीश-कीर्ति संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय डिम्मर-सिमली के प्राचार्य डॉ. माताराम पुरोहित आदि मौजूद थे।

छात्रों ने परीक्षा के केंद्र में बदलाव के लिए किया आवेदन

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के चौरास परिसर में बने सीयूईटी प्रवेश परीक्षा केंद्र में परीक्षा देने के लिए करीब 150 से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इन अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र दूर-दराज के शहरों में आवंटित होने से उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विवि प्रशासन का कहना है कि एनटीए को विवि के माध्यम से यह आवेदन भेजे गए हैं, जल्द ही अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र में बदलाव किया जाएगा। सीयूईटी-यूजी की प्रवेश परीक्षा 11 मई से शुरू होगी। इस परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र पंजाब, हल्द्वानी, रुड़की आदि शहरों में आवंटित होने से पर्वतीय क्षेत्र के अभ्यर्थी परेशान हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि इतने दूर आवंटित परीक्षा केंद्रों पर आने-जाने के लिए उन्हें समय के साथ ही आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ेगा। अभ्यर्थियों की इस परेशानी को देखते हुए गढ़वाल विवि प्रशासन की ओर से एनटीए को परीक्षा केंद्रों में संशोधन के लिए पत्र भेजा गया था। साथ ही विवि के छात्र नेताओं ने परीक्षा का बहिष्कार करने की चेतावनी भी दी थी। इस समस्या को देखते हुए एनटीए ने परीक्षा केंद्र में संशोधन के लिए सात मई तक पोर्टल भी खोला था। पोर्टल के माध्यम से परीक्षा केंद्र संशोधन में आ रही दिक्कतों को देखते हुए गढ़वाल विवि की ओर से भी अभ्यर्थियों के आवेदन लिए गए।

चमोली के काश्तकार अब सीधे आईटीबीपी को बेच सकेंगे सब्जियां

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : उत्तराखंड के सीमांत जनपद के काश्तकारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की ओर से महत्वपूर्ण पहल की गई है। परिषद की ओर से भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के साथ एक अनुबंध किया गया है। समझौते के अनुसार अब स्थानीय काश्तकार अपने खेतों में उगने वाली सब्जियों का विपणन सीधा आईटीपीबी को कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य के काश्तकारों की आय बढ़ाने को लेकर योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जा रहा है। जिसे लेकर उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की ओर से काश्तकारों की आय को बढ़ाने की मंशा से बीती 1 अप्रैल 2026 को स्थानीय काश्तकारों से सब्जी क्रय करने हेतु अनुबंध किया गया है। शुक्रवार को ज्योतिर्मठ के बड़ागांव के भद्रेश्वर कृषक उत्पादक संगठन द्वारा सब्जी विपणन के साथ जनपद में योजना का संचालन शुरु कर दिया गया है। उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने योजना के तहत सब्जी की पहली खेप ले जा रहे वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। काश्तकारों की ओर से अनुबंध के तहत पहली खेप में 50 किलोग्राम मटर, 8 किलोग्राम लहसुन, 50 किलोग्राम राई, 5 किलोग्राम धनिया और 5 किलोग्राम चुकन्दर की सप्लाई की है। जिससे काश्तकारों की 9 हजार की आय प्राप्त हुई है।

क्या कहते हैं काश्तकार

स्थानीय काश्तकार मोहन सिंह कम्दी, सुखदेव सिंह का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से किया गया यह अनुबंध स्थानीय काश्तकारों की आय को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। अब काश्तकारों को अपने उत्पादों के विपणन के लिए बाजारों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

काश्तकारों की आय में होगी बढ़ोत्तरी

उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की ओर से किए गए अनुबंध के तहत जोशीमठ के बड़ागांव के काश्तकारों के समूह से सब्जी के विपणन व्यवस्था का शुभारंभ किया गया है। अनुबंध के अनुसार क्षेत्र के कृषक संगठनों को सब्जी के विपणन की व्यवस्था से जोड़ा गया। जो काश्तकारों की आय में बढ़ोत्तरी में सहायक सिद्ध होगा।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है। मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाज़ी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर-तुषार देशपांडे।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर-मानव सुथार।

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया, जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये।

जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भरोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन। यह 'गोल्डन डक' तो नहीं था, लेकिन यह 2-बॉल डक आरसीबी के प्रशंसकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दूसरी तरफ, प्रिंस यादव हवा में मुक्के मारते हुए खुशी से झूम रहे थे। एक युवा गेंदबाज के लिए विराट कोहली का विकेट लेना किसी सपने के सच होने जैसा था। कोहली कुछ पलों तक वहीं खड़े रहे, फिर भारी मन से पवेलियन की ओर चल दिए।

श्रेयस अय्यर बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान, सूर्यकुमार यादव का कटेगा पत्ता

मुम्बई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर को जल्द ही उनकी शानदार IPL कप्तानी के रिकॉर्ड का इनाम मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय चयनकर्ता उन्हें भारत की टी20आई टीम के अगले कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। इस कदम से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का पत्ता कट सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भविष्य के लिए एक नया टी20आई सेटअप तैयार करना चाहता है, जिसमें श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करने के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। भारत एक व्यस्त टी20 कैलेंडर की तैयारी कर रहा है जिसमें 2028 का टी20 विश्व कप और 2028 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शामिल हैं, जहां क्रिकेट की खेलों में वापसी होगी।

फ्रैंचाइजी क्रिकेट में एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर के उभार ने कथित तौर पर चयनकर्ताओं की सोच में एक बड़ी भूमिका निभाई है। इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा IPL खिताब दिलाया और उसके बाद पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व कौशल, रणनीतिक समझ और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की क्षमता की भारतीय क्रिकेट जगत में खूब तारीफ हुई है।

इसके विपरीत सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस 35 वर्षीय बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान 9 पारियों में 242 रन बनाए जिसमें से 84 रन उन्होंने USA के खिलाफ एक ही पारी में बनाए थे। उनकी खराब फॉर्म IPL 2026 में भी जारी रही, जहां मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे के पायदान पर बने हुए हैं।

भारत इस साल के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई मैच और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20आई सीरीज खेलने वाला है। यह सीरीज भारतीय टी20 क्रिकेट में श्रेयस अय्यर के युग की शुरुआत साबित हो सकती है।

आरसीबी से मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर, कप्तान हार्दिक पांड्या टीम से जुड़े

रायपुर (छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने अहम IPL 2026 मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (MI) टीम से जुड़ गए हैं। इस बात की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर की गई जहां उन्होंने अपने कप्तान हार्दिक की एक पोस्ट शेयर की।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ MI के पिछले IPL 2026 मुकाबले के दौरान हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी। LSG पर मुंबई की शानदार जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेटन ने हार्दिक की चोट को लेकर उठ रही चिंताओं पर बात की। रिकेटन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उनके कब तक वापस आने की उम्मीद है। मुझे आज दोपहर ही पता चला कि उनकी पीठ में खिंचाव है, इसलिए मुझे यह नहीं पता कि यह कितना गंभीर है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहूंगा; मुझे नहीं पता कि यह कितनी बुरी है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इस हफ्ते जब हम रायपुर जाएंगे, तो वह फिर से टीम के साथ होंगे।'

शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूरा ट्रेनिंग सेशन तय है और उम्मीद है कि पांड्या शुक्रवार को नेट्स में टीम के साथ अभ्यास करेंगे। डिफेंडिंग चैंपियन RCB रविवार शाम को होने वाले एक जबरदस्त मुकाबले में 5 बार की चैंपियन टीम की मेजबानी करेगी। सात हार और तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल पर नौवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी थोड़ी-बहुत उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उसे अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। इस बीच लखनऊ में रस्त से हारने के बाद बेंगलुरु की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है, और इस टूर्नामेंट में यह उनकी चौथी हार है।

रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में किया अपना 100वां गोल

रियाद । दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया जिससे अल-नासर ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली । इस 41 वर्षीय फॉरवर्ड ने गुरुवार को मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले साडियो माने के क्रॉस पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नासर की तरफ से तीन गोल किए। इस जीत से अल-नासर के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक हैं। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नासर से एक अधिक है । पांच बार के बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नासर से जुड़े थे लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है ।

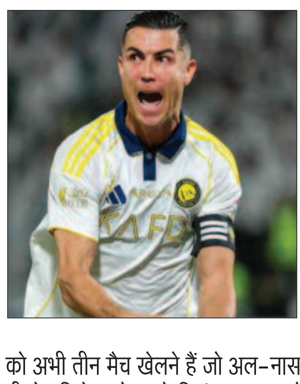

आईपीएल को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी की नई एडवाइजरी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में कई नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है । इसमें कई नियमों के साथ ही आचार संहिता के पालन पर भी जोर दिया गया है । इस दौरान बोर्ड की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों के मौजूद रहने के साथ ही ऐसे कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं । जिससे बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है । बोर्ड को आशंका है कि इससे फिक्सिंग और हनी-ट्रैप के मामले हो सकते हैं । इन जानकारियों के आधार पर, बीसीसीआई ने सभी आईपीएल टीमों को एक एडवाइजरी भी भेजी है और इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजी के सीईओ की एक बैठक भी बुलाई है । इस बैठक का लक्ष्य उन्हें नियमों की याद दिलाना और उन टीमों या व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना है जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है । सैकिया ने बताया कि अनधिकृत लोग टीम बस, होटलों और डग-आउट एरिया में यात्रा करते या घूमते पाए गए हैं, जो सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है । उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और टीमों के आचरण से जुड़े नियम 2008 से लागू हैं, लेकिन हाल के दिनों में इन नियमों को लेकर लापरवाही देखी गई है । बोर्ड अब किसी भी उल्लंघन पर ढिलाई नहीं बरतेगा और आगामी बैठक में सभी को इस एडवाइजरी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा । नई एडवाइजरी में बीसीसीआई ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं । बोर्ड ने चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है । ऐसे में टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है । इसके अलावा, टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता ; मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है । कुछ खिलाड़ियों द्वारा सुरक्षा अधिकारियों को बताए बिना होटल से बाहर जाने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाई गई है ; अब होटल से बाहर जाने के लिए सुरक्षा अधिकारी से मंजूरी लेना अनिवार्य है और खिलाड़ियों के मूवमेंट का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा । यह भी स्पष्ट किया गया है कि खिलाड़ियों को स्टेडियम, होटल और प्रैक्टिस के दौरान अपना आईडी कार्ड हमेशा गले में पहनना होगा, और आईडी दिखाने में आनाकानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है । पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं । आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है । पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी । इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं । पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है । पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है । टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं । पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है । इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी । रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है । जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है । यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है ; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है । इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है ।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

लखनऊ (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। । इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं।

इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

क्रुणाल की रणनीति उनके कमजोर स्कोरिंग क्षेत्रों को निशाना बनाने पर केंद्रित होती है। अगर कोई बल्लेबाज कवर्स के ऊपर से आसानी से रन बनाता है, तो क्रुणाल उसे मिड-विकेट के ऊपर से शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, अगर उसे स्लॉग स्वीप पसंद है, तो उसे लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने पर मजबूर किया जाता है।

केएल राहुल ने रचा इतिहास, तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली । अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले के दौरान केएल राहुल ने अपने IPL करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की । राहुल की पारी 23 रन पर ही समाप्त हो गई, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के इस बल्लेबाज ने IPL के इतिहास में ऐसा पहला खिलाड़ी बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जिसने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 से ज़्यादा रन बनाए हों । राहुल ने अब पंजाब किंग्स के लिए कुल 2548 रन, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 1410 रन और दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1002 रन बनाए हैं । यह उपलब्धि इस टूर्नामेंट में पिछले कुछ सालों के दौरान अलग-अलग टीमों और बैटिंग भूमिकाओं में उनकी निरंतरता को दर्शाती है। केएल राहुल का विकेट पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा जब कार्तिक त्यागी ने एक धीमी गेंद डालकर राहुल को चकमा दे दिया । गेंद को कवर के ऊपर से 'इनसाइड-आउट' शॉट लगाकर हवा में उछालने की कोशिश में राहुल गेंद की पिच तक नहीं पहुंच पाए और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की तरफ हवा में ऊंची चली गई, जहां कैमरन ग्रीन ने एक शानदार कैच लपक लिया ।

इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है । पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है । पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है । केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका आयोजन कभी-कभी ही होता है । ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी। त्रिकोणीय सीरीज के अलावा, श्रीलंकाई क्रिकेट टीम भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है, जिसमें दो टेस्ट और तीन टी20 मैच शामिल होने की संभावना है । इन आयोजनों से पहले, पाकिस्तान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 30 मई, 2 जून और 4 जून को तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी । सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि शेष दो मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे । इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण, पैट कमिंस सहित कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनुपलब्ध रह सकते हैं, क्योंकि आईपीएल 31 मई तक चलने वाला है। ऐसे में, एक नई ऑस्ट्रेलियाई टीम के पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है ।

लखनऊ को प्लेऑफ में पहुंचने बड़े अंतर से जीतने होंगे अपने सभी मुकाबले

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली जीत से लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बन गयी हैं । आरसीबी के खिलाफ मिली इस जीत से टीम में उत्साह का संचार भी हुआ है। इस तीसरी जीत के बावजूद, लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति अंक तालिका में अभी भी बेहद कठिन बनी हुई है। 10 मैच खेलने के बाद सुपर जाएंट्स की टीम अब तक केवल 3 मैच जीती है जबक 7 हारी है । जिससे वह कुल 6 अंकों के साथ ही अंक तालिका में 10वें स्थान पर ही है। ऐसे में प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए उन्हें अब अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करना होगा ।

सुपर जाएंट्स के अभी चार लीग मैच बाकी हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए इन सभी मैचों में उसे जीत हासिल करनी होगी । है । यदि एलएसजी अपने सभी शेष चार मैच जीत लेती है, तो उनके कुल अंक 14 हो जाएंगे। आमतौर पर, आईपीएल में प्लेऑफ के लिए 14 अंक पर्याप्त नहीं हैं। इससें टीम नेट रन रेट में बेहतर होने पर ही आगे जा सकती है । इसलिए सुपर जाएंट्स को अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतना होंगे ।, इसके अलावा लखनऊ को अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा । उन्हें उम्मीद करनी होगी कि प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कुछ टीमें अपने महत्वपूर्ण मैच हार जाएं ताकि 14 अंकों का आंकड़ा उन्हें शीर्ष-4 में ले जा सके ।

उसके अब 10 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 15 मई को फिर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 19 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और 23 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है ।

टी20 नहीं, वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल करने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है जिसमें टी20 ही नहीं टेस्ट टीम में शामिल करने का भी समर्थन मिल रहा है। सूर्यवंशी अभी सिर्फ 15 साल के हैं और पिछले एक साल में उन्होंने जो कुछ हासिल किया है। उन्होंने ज़्यादातर टी20 क्रिकेट खेला है और बीच-बीच में कुछ वनडे भी खेले हैं। रेड बॉल क्रिकेट वह फॉर्मेट है जिसमें उन्होंने सबसे कम खेला है। सिर्फ 8 फर्स्ट-क्लास मैच और कुछ यूथ टेस्ट मैचों के अनुभव के साथ सूर्यवंशी निश्चित रूप से लंबे समय में भारतीय टेस्ट टीम के लिए एक संभावित खिलाड़ी बन सकते हैं, लेकिन वह उस फॉर्मेट के लिए सबसे ज़्यादा उपयुक्त हैं जिसमें उन्होंने सबसे ज़्यादा बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सूर्यवंशी के मेंटर और उन्हें राजस्थान रॉयल्स में लाने के लिए जिम्मेदार ज़ुबिन भरूचा का पक्का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में डेब्यू करवाना ही सबसे सही फैसला होगा। भरूचा का ध्यान 1989 की ओर जाता है, जब BCCI ने युवा सचिन तेंदुलकर पर भरोसा जताया था और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट कैप सौंपी थी। उसके बाद जो हुआ, जैसा कि कहा जाता है, वह इतिहास है।

भरूचा ने Wisden से कहा, 'यह एक मुश्किल फैसला है, क्योंकि सच कहूं तो अगर आप किसी भी पैमाने जैसे स्कोर, स्ट्राइक-रेट, बनाए गए रन से देखें, तो वह पहले से ही लाइन में इंतजार कर रहे कई लोगों से काफी आगे हैं। मुझे सच में लगता है कि उन्हें विश्वास की वह छलांग लगानी चाहिए, जैसा उन्होंने सचिन तेंदुलकर के साथ किया था और उन्हें सीधे टीम में शामिल कर लेना चाहिए।'

सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट में आजमाने को लेकर जरा भी शक नहीं है, लेकिन भरूचा का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी में ओपनर होने के अलावा भी बहुत कुछ खास है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि तकनीकी रूप से, वह खुद को पूरी तरह से समर्पित नहीं करते। वह हमेशा बैकफुट पर रहते हैं, और मेरे लिए यही बैटिंग का सबसे बड़ा मंत्र है। इसलिए जब गेंद स्विंग हो रही हो, अगर आप अपना फ्रंटफुट आगे नहीं बढ़ाते, तो यह महानतम बल्लेबाजों की निशानी है। सवाल यह है कि क्या हम उन्हें गेंद स्विंग होने पर भी इसी क्रम का पालन करवा सकते हैं। मुझे यह भी लगता है कि ओपनिंग करना उनके लिए सही नहीं है। उनके पास देने के लिए और भी बहुत कुछ है, इसलिए यह कहना गलत होगा कि उन्हें सीधे ओपनिंग स्लॉट में भेज दिया जाए।'

भरूचा ने कहा, 'मैं अभी उन्हें नंबर 4 पर नहीं रखूंगा। वह अभी उससे थोड़ा पीछे हैं। नंबर 5-6, जहां वह शायद 60वें या 70वें ओवर में आकर तेजी से 40-50 रन बना सकते हैं। फिर शायद जब बीच में कहीं नई गेंद आए, तो वह उसे संभालना सीख जाएं। मेरी लंबी अवधि की सोच यह है कि अगर हम उन्हें स्विंग होती गेंद की बारीकियां समझा पाएं कि वह अलग-अलग स्थितियों में उसका सामना कैसे करें। उदाहरण के लिए अगर बेंगलुरु में कोई टेस्ट मैच है, तो वह ओपनिंग करके भी रन बना सकते हैं; लेकिन अगर वह लीड्स या किसी और जगह जाते हैं, जहां आस-पास इतने सारे खिलाड़ी होने की वजह से गेंद ठीक से दिखाई नहीं देती, तो यह एक चुनौती हो सकती है। फिर भी, समय के साथ अगर वह यह सब समझ जाते हैं, तो वह टॉप ऑर्डर में भी उतने ही खतरनाक साबित होंगे जितने कि निचले क्रम में। यही इस पहेली का आखिरी टुकड़ा होगा।'